हालुक कविता



संपादक

रतन कुमार महतो 'सत्यार्थी'

डॉ. वृंदावन महतो

हालुक कबिता

(आधुनिक कुड़मालि कबिता हाला)

संपादक

रतन कुमार महतो 'सत्यार्थी'

डॉ. वृंदावन महतो

PYARA FOUNDATION

प्यारा केरकेट्टा फाउण्डेशन

राँची (झारखण्ड)

प्रथम संस्करण : करम एकादसि-2013

मूल्य : 100

प्रकाशक:
प्यारा केरकेट्टा फाउण्डेशन, चेशायर होम रोड, बरियातु, राँची-834009,
दूरभाष : 9234301671, ई-मेल : pkfranchi@gmail.com,
वेब पता : www.kharia.in
टाईपसेटिंग/आवरण : आधार अल्टरनेटिव मीडिया (आम) 9234301671

HALUK KABITA
(Modern Kudmali poem collection)
Editor: **R. K. 'Satyarthi'** and **Dr. Vrindavan Mahto**

ISBN : 978-93-81056-38-7

दुइ-टुम

हालुक कबिता माने 'मॉडर्न पोएट्री'। मॉडर्न बा आधुनिक साड़ाक बेबहार बिबिध दृष्टिकोणे हेइ पारेइक - जेसन समइ हिंसाबे, विषय हिंसाबे, कबिक हिंसाबे, पाठक बर्ग हिंसाबे, नाउवा रंग-छंद हिंसाबे, आरअ-आरअ। समइ कर संग कबिक संचअ बदलेइक। आधुनिकताक हाउआएँ बिसएक उपर मन डांड़ाइक आर भाखिञ नाउआ साड़ाक प्रवेश हेइक - इटा सामान्य नियम। पुरातन कलेबर आर रंग-ढंग के आँकड़ाए राखा कठिन। परिवर्तन धारा अनुजाञ पाठक बर्गेक रुचि आर सउआद पालटाइन, एहे सउब देखि आधुनिकता के ग्रहण करा उचित। इ किताबे समइ कर 'डिमांड' के स्थान देउअल गेल आहेइक।

ससागरा जखन 'ग्लोबल भिलेज' कर रूप लेल आहेइक तखन भाखिक दाएरा बा सिमाना के निर्धारितअ देसेक (इलाका) भितर सीमाबद्ध करा टा युग धाराक विपरित। कुड़मालि कबिता खालि कुड़मिराइ पढ़ता एसन धारना राखले भासा विकास आर भासा सम्प्रेसारने बाधा पड़तेइक। कुड़मि बा कुड़मालि जानकार राक छाड़ाउ कुड़मालि कबिताक रंग आन समुहेक कबिता प्रेमीराक मन के सात रंगा रामधेनुरंगे रंगउक एहे टाइ हालुक कबिताक उद्देश्य। कुड़मालि कबिताक मउलिकता आन भाषा-भाषि राउ बुझउत इ बिसइ टाक धेआनअ इ किताबे राखाल गेल आहेइक।

'मडार्निज्म' देखाएलाए आन भासाक साड़ा ग्रहण करा किताब टाक उद्देश्य ना लागेइक, तबे कबिताक विषयबस्तुक भाभ आर रूप के फुटाइलाए ग्रहण करा टा अनुचित नहेइक। रसे, रंगे, भाभे, रूपे कबिताक विषय झलकउक एहे उद्देश्ये चलन्त साड़ाक प्रयोग करल जाए पारेइक। कुड़मालि ठेठ साड़ाक कटकिनाउ किताब टाएँ नेखेइक।

एक जुगेक कबि राए बा रामान्टिक कबि बृंद बा एक उमेरेइक कबिक गठ इ किताब टॉए जहड़ल आहात, एसनअ काथा ना लागेइक। रसिकताक आवेगे रमान्टिसिज्म जे कनअ अवस्थाएँ कबि रिदए ले हादहादाए फुटि बाहराए पारेइक सेइ कारअने उमेइर निरविशेषे कबिक गठ हेइ पारेइक। रमान्टिसिज्म कनअ भासाक बापउति ना लागेइक। प्रेमेक ज्वार किना कुड़मालि बा आन जनजातीय भाखिञ आसाड़ी नदिक ढेउ निआर छलके-मलके नि पारेइक? चिरंतन विषय कर कबिताञ गुढ़ता झलकेइक, सामाजिक उचित, अनुचित विषय कर कबिता नाउआ पीढ़ी के दिग्दर्शन करेइक, प्रकृति आर प्रदूषण विषय कर कबिता, सुघड़ रूपे बाँचेक संदेश देइक, देशभक्ति आर अन्याय-दमन बिरोधी विषयेक कबिता संघर्ष करेक आर आघु बाटे बाढ़ेक प्रेरणा देइक। नारि शिक्षा, नारि सम्मान विषय कर कबिता, सामाजिक संतुलन आर नारि मर्यादा के प्रतिष्ठा करेक प्रतीक। एहे लेखे रकअमारि कबिता रूपी फुल गिला के इ किताब-कुमे जगाल गेल आहेइक।

प्राचीन भासा विज्ञान हिंसाबे एकटि 'स' आर एकटि 'न' कर प्रयोग हेक रहेइक, संयुक्त आखड़ करअ प्रयोग नि हेक रहेइक मिनतुक प्रयोजन अनुसारे करल गेल आहेइक।

रतन कुमार महतो 'सत्यार्थी'
डॉ. वृंदावन महतो

अनुक्रम



दीनानाथ महतो

कबि दीनानाथ महतो दारू-मद आर तामाक सेवन बिरोधी सामाजिक चेतन-शील घाखुर- माहुर लक रहला। गटा पाँचपरगना अँचले निसा बिरोधी सुत्रधार आर प्रचारक रहत। एराक जनम राँची-जिला, तमाड़ थाना तखनुक खुँटी सवडिविजन कर बादला गाँउए जनवरी 1910 इसबिं हेल रहेइन। एराक परिवार बेजात्र अभाभ कसटे दिन काटे हेला। छुटु खनलेइ पढ़े- लिखेक एराक बेजात्र मन रहेइन मिनतुक आरथिक अभाबे घारेक लग पढ़ाइलाए राजि नि हेला। तीन भाइएक मइधे सउबले छुटु रहत। आनिडिहे (बुण्डू) एराक फुफुघार रहेइन।

अभाब कसटअ आर एराक पढ़ेक खांखुस देखिके फुफुहारित्र आनिडिह लेगलेइक। हुआं पढ़ाइ त नि हेंलेइक मिनतुक भेड़ि चाराइतकेइ दिन जाए लागलेइक। एरा बिन बेरहनिआ भेड़ी चारउआहा बनि गेला। पढ़ाइएक काथा 'डका खाड़े' गेलेइक दापअटे माइरअ खाए लागला आर गाइरअ खाए लागला। एक दिनेक बिकट घटनाँए एराक जीवन-धारा बदलि गेलइन। एक दिन "हाडगांए" एक भेड़ि धरि लेगलेइक। फुफाक माइरेक डरे एराक गात सिहरि गेलेइन, भेड़ी छाड़िके हुँदेक-हुदेइ बादला गाँउ घुरि आउअला।

बादला गाँउएक स्कूलेइ तिन किलास तक पढ़ला। बाप मानगर मंगल माहतएँ आधु पढ़े खातिर बुण्डू मिडिल स्कूले भरती करलेइक। पेति दिन तेरह कि.मी. गड़े चलिके बुण्डू जाए लागला। झेइड़ बेइरसाक दिने भरल काँची नेदि पार करि स्कूल जाउआ कठिन हेइ लागलेइक। एसने अवस्थाएँ बुण्डूत्र रहेक एक सामाधान हेलेइक। तिन छउआक भात राँधेक काम पाउउला। कामेक संगेइ पढ़ाइ चले लागलेइक आर कसटे बिसटे सात

कालास पास करला। आघु बाटे पढ़ेक उपाइ नि रहेइक कहि बुडुञ "बेसिक ट्रेनिंगे" भरती हेला। 1932 साले सिरकाडीह मिडिल स्कूले मासटरि पाउअला।

एराक बिहा सेरेंगडीह (लांदुपडीह) गाँउएक एतवारी देबी संग हेलेइक। एराक पाँच बेटा एक बेटि हेलथिन। नकरि जीबने सामाज सेवा भाभटा निखराए के मलके लागलेइक। सामाजिक कुरीति कर बिरूधे नकरिक आधा पएसा खरच करे लागला। अहे कारअने पाँच बेटाक मइधे मात्र दुइटाकेइ पढ़ाए पारलेथिन। एरा दुइअ अकील हेला। स्कूल जीवन लेइ लक के तामाक-फिका, दारू-मद खाल देखिके मने बेजाञ चट पाउला, संचला, इगिलान हामराक भाबी पीढ़ी नसटअ हेइ जाता। एहे सचि निसा आर तामाक बिरोधी आन्दोलन एकाइ सुरू करला। एराक एसन जुलुम रहेइन जे लक के चेताए लाए आपन गित जड़ी आपन पएसाएँ किताब छापाए हाथे चँगा धरि हाटे-बाटे बाजारे-स्कूले गित गाए लागला। ''एराक किताब कर मूल्य अमूल्य रहेइन।'' एराक कहना जे किताब पढ़ि आचरन करलेइ मएँ मूल्य पाउलँ आर नि त हाजार टाका देलउ मूल्य हीन हेकेइक। एसन सिद्धान्तवादी समाज सेबी आइज पाउआ दुर्लभ। नासा बिरोधी आन्दोलन प्रचारे आपन किताब "जीवन संदेश" बिना मूल्ये बांटे हेला। एराक निस्वारथी समाज सेवा देखि के तखनेक प्रधान मंत्री श्रीमती इन्दरा गाँधीञ प्रशस्ति पत्र पाठाल रहेइन। एरा 1974 साले शिक्षक जीवन ले बिरमित हेला। 28 अक्टूबर 1996 साले एरा गंगा पाउला।

समाज सेबाक संगे संगे खेते गठेक काम मन लागाए के करे हेला। माटि काठा, काठ काटा, धान पिटा हार-जता काम के एरा कनअ दिन हीन नि भाभलेथिक। माटि काटा लेइके एकटा सलुक जड़ला-

"चिटा माटी लटके,
दीना धरि पटके।"

एहे लेखे आरअ तुकात्मक सलुक जड़ि के लग के गेआन दे हेलथिन।

तामाक - गीत

तामाके पराधिन करलेइन भारतबासी के
सासथअ नसटअ हेलेइन तामाक खाइ के, तामाके ...
तामाक खात चार रकमें
भुलला निअम असंजमे
छाड़ि देलथिक मुनि रिसिक बात के। तामाके ...
इड़ा- पिंगला- नाड़ि
नास करल गड़गड़ि
टानत सभें सुसुमना लागाए के। तामाके ...
जे दिन पाने खाला जारदा
छिन विर्य अनेक मरदा
घारे झागड़ा हेलेइक तामाक लागि के। तामाके ...
बाबुराँए सउब लेत नास
जेसन उँटेक नाके फाँस
तामाक खाए सुति रहत माति के। तामाके ...
देसे आउलेइक चाड़का फिका
पिउआइआ सउब एकदम बका
किने जात बांइधेक चाउर बेचिके। तामाके ...
हुका बता हेलेइक बंद
देखिके सउब हेला अंध
सपताहे माजत सिप लेइके। तामाके ...
बंद हेलेइक सुसुमना वायु
छिन करि देलेइन आयु।
मरलिह सउब गुरूक करन भुलिके। तामाके ...
बिंड़ि मेधथिन दुइअ हाथ।
अनेक छँड़ाक हेलेइन धात

बसि रहत से भाइ सुकुइ हेके। तामाके ...
जे दिन खाला गाँजा हाफिम
बड़े घारे ढुकलेइन रिन
बेरा डुबाएँ जड़अ करेइन माताल के। तामाके ...
विष आहेइक निकअटिन
पास दिन-दिन करिह
पहिले रग धरलेइक भाइ हिका के। तामाके ...
ताकर परे जरा-काँस
रगे बारअ मास भुगत
कतेक टाका देथिन भाइ डाकटर के। तामाके ...
दीना नाथेक एहे वाणि
सिसटि धरे भाभि गुनि
जानाए देउहन कागजे छापाए के।। तामाके ...

निसाक-दासा

किछु रहे जमि जाएगा
बेचि गुचाए हतअ भागा
मद-दारू खाले रे बाजारे
किना करि देतउ सरकारे।

जखन जमिन बेचिस कटे
टाकाएं - टाकाएं झइर फुटे।
निसांए दिसा हाराले संसारे
किना करि देतउ सरकारे।

सेइ देखि छउआ छाड़ि
बहु पाराए बापेक बाड़ि
ए-बे हेलि दुआरे- दुआरे
किना करि देतउ सरकारे।

बाप माराफेरि बाटे
बेटा गेल ढाँगर खाटे
भाभि दीना काँदत संसारे
किना करि देतउ सरकारे।

दारू- गीत

निसा पिए दिबानिसि, बस हेला भारत बासि
दारू मदे सभे भुलि जाए,
सखि रे! नर जनम बिरथा चलि जाए।

पिए निसा जेइ जन, हाराए सभे मान धन
नाना रगे अबशेषे पाए,
सखि रे! नर जनम बिरिथा चलि जाए।

अमरित के सभे तजि, बिस पाने गेला मजि
रसातले देश के डुबाए,
सखि रे! नर जनम बिरथा चलि जाए।

निसाक पइसा दुधे दिहा, रकत पानी न करिहा
हित लागि दीना गित गाए,
सखि रे! नर जनम बिरथा चलि जाए।

गेरजुएट हाथे सिगरेट

बाबुकर बेजाञ सनमान भाइ,
जंदे जाए तंदेइ बिड़ि पान भाइ। बाबुकर ....

बाबु बनल गेरजुएट
हाँथे सभे सिगरेट
आरअ सभे मुँह भरि पान भाइ। बाबुकर ....

पान चाबाए धिरे-धिरे
उपर ले जारदा गिरे
महाआनंदे चुना चाटि लेत भाइ। बाबुकर ....

खने-खने भाभे दीना,
मंहगि सउब चिज किना
मांइ भुखे काँदि बिहान भाइ
बाबुकर बेजाञ सनमान भाइ। बाबुकर ....

टुराञ खाए रसि

सुना गअ जतअ सखि
किना जालाएँ आउलँ रूसि
दिबानिसि खाताक टुराएँ रसि।
काम छाड़ि घारे रहे बसि ....

जदि करि आनंअ भुति
सेटाउ ले के चलल भाठि
मएँ अकर नि रहम दासि।
काम छाड़ि घारे रहे बसि ....

दारू मदे रहे माति
कहे गेले मारे लाथि
जमि जाएगा सभे देलइक नासि।
काम छाड़ि घारे रहे बसि ....

जदि हांड़िञ राखँ बासि
बिहाने उठि देइक धासि
सुनि दीनाक मने हेलेइक हाँसि।
काम छाड़ि घारे बसि ....



निरंजन महतो

नाम	- श्री निरंजन महतो (भूतपूर्व प्रधानाध्यापक)
जनम	- तारिख- 29.9.1939 इसबी
जनम थान	- पेड़ाइडीह, पोस्ट- जानुमपीडी, थाना - तमाड़, जिला- राँची।
बाप	- मरताहार- राधा मोहन महतो
माँए	- मरताहारि- पालो देवी।
सिकखा	- प्राथमिक विद्दालय पेड़ाइडी, उच्च विदालय तामाड़ 1957, राँची कॉलेज राँची 1959(आई0ए0) बी0ए0 1961 एम0ए0 1963, बी0एड 1965 राँची विश्वविद्यालय राँची।
तिरिआ	- श्रीमती सरला देवी
गुसठि	- कोयो
धिआ- पुता	- तीन धिया एक पुता।

चाकरि - पेहिल सारजमडीह उच्च विद्दालये तीन बछर तड़िक स्वतंत्र रूपे काम करल परे, टांगरडीह सरकारी उच्च विदयालय चैनपुर गुमला माहान बाहाल हेल रहत। हुंआ कर प्रधानध्यापक आर प्रखण्ड विकास पदाधिकारी टांगरडीह डुमरी कर फेर-फेंदे चाकरि छाड़ा करालेथिक। तखन नावाडीह, तमाड़ कर नामी अुकील श्री गोबिन्द चन्द्र महतो (फतु बाबु) कर आग्रहे 27 जनवरी 1967 ई0 माहान प्रस्तावित उच्च विदयालय नावाडीञ जगदान करला, आर अथक परिश्रमे आसे पासेक गाँउए घुरि बेहरि करि स्कूल घार खाड़ा करला। लागल कसनिञ पाटनाक राजस्व विभाग ले 29.12.73ए स्कूल स्थापना अनुमति पाउआलेइक आर 31.5.76ए विज्ञान

सह कला पाढ़ाएक मंजुरि पाउआलेइक। आइज एखरे जालाँए आसे-पासेक हाजार- हाजार गरीब दुखी छउआएँ मेट्रिक पास करला। आघु बाटे पढ़ेक मौका पाए नकरि धरेक जुइत हेलेइन।

एखराक सेवा निवृति रूगड़ी हाई स्कूल, तामाड़ ले सितम्बर 1999 साले हेलेइन। छउआ बेराञ बेजाञ कसटे पढ़ा लिखा करल रहत। आपन खांखुस आर बापेक हिछाएँ गाँउ ले सात कि.मी. धुर गागरी लहर नदी पार करि के तामाड़ पढ़े जाए हेला। भरल नदिञ दुइ बार बहाल रहत, एक धाँउ चारवाहाए आर दसर धाँइ चउकि दारे बांचाल रथिक मिनतुक ताउ पढ़े नि छाड़ला आर तामाड़ ले बाहराएके राँची पढ़े गेला। सुरू खन ले आइज तड़िक समाजेक प्रति सेवाबरति आहात।

सारना बंदना

रूपेहिं मनोहारी, गुनेहि मंगलकारी
फुले-फरे, लदूअ- बदूअ नउए तर डारी
जए माँ! सारना देबी।

लगके जानाए जे संदेश - गो सारना देबी
केउ ना जाने महिमा तर गो - सारना देबी
गड़ लागी नमोः करि तहरि चरन गो - सारना देबी।।

फर-फुल पात झाड़ि, माटि के करि खाँटि
रसे- रसे जल के टाने तर पाता आर जड़ि जय माँ सारना देबी।
सउब जिउए बाँटाए अमरित गो- सारना देबी।
केउ ना जाने महिमा तर गो- सारना देबी ....

लक हिते बिस खानी, पारान बायु मुंहे आनि
अपरूपे- अलखिते चराचर बांचानि। जय मां। सारना देबी
कणे-कणे, रगे- रगे सभे ठिने भेदानि गो सारना देबी
केउ न जाने महिमा तर गो- सारना देवी।

जुग- जुगेक एहे नेति, तएँ गो हामर कुलअ देबी
सारेइ पात-डाइर बिना नेखि हामर कनअ चारी
जय माँ! सारना देबी
माँगिह भिकखा तरे ठिन, दे सीतल छाया
माएँ गो केउ नि जाने तर महिमा
गड़ लागी नमोकरि तहरि चरन गो।
जय माँ सारना देबी।

झारखंड परगति गीत

अनेक जालाक बादे मिले हामर काँच काँति झाड़खंड
रतनअ भाँड़ार भाइ रे!
सनाकअ पिटारी, मेलि- मेसि रहब संगे।
राँए-राँए सिखब भाखि।
आँखि लरे भिंजाब पांखि।।

सारनाक कराँए सुति गेला
रघुनाथ बिरसा, निरमल, भाइ रे।
बिर सुनिलेक रकत बहलेइक, सबरनाखा धाइरे।
अलख जागाला बिनोद बिहारी
राढू काँची दामोदरे।
राँए- राँए धुनब धुनि, आँखि लरे भिंजाब पाँखि

भेदा- भेदि नि करब मने
मिलि रहब सिंह भालुक हुँड़े
जतेक हरिन- मेंजुर साहि
डुबल बेराएँ एके घाटे
राएँ- राएँ पिअब पानि
आँखि लरे भिंजाब पाँखि

धानेकअ धनिक नेखे, संअचा निरंजनेक सांचे
साँचि, गुंजा, तिलक बाँधा मोड़ा भाइ रे।
खासारी- बुट मसरि दिन- राइतेक परिश्रमे।
राम- राम गुनब गुनि
आँखि लरे भिंजाब पाँखि भाइ रे।

सादरे आदर

आए गेला ह हामर सना- रूपा
डहर डहर, धुराएँ -धुराएँ घुरि कुलहि मुड़ा
कतिक दरे ह- दादा, पड़ि गेलउ झाँउआ, दादा पड़ि ...
करिहा ना-मने-मन कनअ एसन गसा, दादा ...

रूआ- रूआ लुगा- कापड़ आनि कहन
रमे- रमें धिरे- धिरे पाछाउअबँ मएँ धुरा
दूइअ हाथे नरम करि बाधबँ से छाउआ दादा बाँधव ...
करिहा ना मने- मने कनअ एसन गसा, दादा ...

घामे-घामे लरअ पतअ लरअ-पतअ देखि कहन
बिमनि के आनाए करि डलाबँ-डलाबँ
नाहि जे करअब तके आड़ा ह छाड़ा दादा
करिहा न मने-मने गसा दादा मन- मने गसा।

सुगंध- गंधअ फुल बाछि- बाछि तड़िके
सुताएँ- सुताएँ गुथअबँ ह माला,
सेह संगे मनअ माला पिधाब गलाएँ! दादा ...
करिहा ना मने-मने गसा दादा मने मने गसा।

जेञ जेसन करइ, तेञ तेसन पाउएइ

आगाड़ि दिनेक काथा,
एकटा बड़अ निसेक आँधड़ आउअल रहेइक,
आंइखे, काने, कापाड़े आंधमुधाए
पात-पालहा उलट-पालट उड़िआए हेलेइक
थड़ेक उपरे-उपरे थड़ेक हेंठे-हेंठे,
कांटाए-झटाएँ गाड़हाञ-ढड़हाञ
पाखना जापाड़े जांहा-तांहा सिटकि गेला।

उपर बाटे ले तखन इंगिते हाँसि सुनालेइक
कि रे! कुकुर पुंछिआ सउब
केसन! एखन तिरिंग रिंगा बुझाहेइक, न?
सरमे भरम-मरम जानि के हेंठ मुड़ाएके तबे-
ढेइर ढांड़स बाँधि मने-मने आउए हेइक दिन
कहि सिठाप सिटकला।

खनेक देरि बादे आचाकाइ, गरजि-गरजि
आन ठेकान पाखना पानि करे लागलेइक
सेइ खने उपर उड़ेइआक कान छेंदा त नाक बुचा,
त काकर मुड़अ फुटलेइक!
तखन हिंदे लउ उठलेइक नाना मुंहेक हुंकारे -
केसन? दादाक भरसे कातारि?
"जेञ जेसन करबेहे
तेञ तेसन पाउबेहे"।



श्रीपद महतो बँसरिआर

मानगर सिरिपदअ माहतअ (श्रीपद महतो) बँसरिआर घाखुर कुड़मालि साहितकार हेकत। एखरा गइद-पइद दना चेंगिहिञ कलम चालाल आथिक। चिसने ठेंठ कुड़मालि साड़ाक बेबहार करल आहात। एराक जनम थान- रानिडि, थाना- झेइलदा, जिला- पुरलिआ (तखनकर मानभुम) एराक बापेक नाम- मरताहार (स्व.) आदालत माहतअ, माएक नाम- सुसिला माहतअ, तिरिआक नाम- सुकरमनि माहतअ। एराक अना-बेटि दना- बेटा। एराक जनम तारिक- 29.10.1942 हेकेइन।

कबि सिरिपदअ बाबु बेजाञ कसटे पड़हा सुना करल रहत। झेइलदा सइतअ-भामा विदापिठ ले मेटरिक पास करल बादे बरदअमान बिसविदालए भरति हेला मिनतुक केंनसरेक बड़अ बाप "हाजकिंस डिजिजे" आकरानतअ हेला। दाउआइ- बिरअ करे "ट्रापिकल स्कूल आँफ मेडिसिन" कइलकाता गेला जाहाँ दना मास सुति रहला। एहे कारअने एराक पढ़ाइ बिराम हेलेइक भाइगेक जरे पढ़ाइआक पद पाउला। मासटरिक संगें-संगे सामाजिक, राजनितिक आर भाखि-चारिक तेंतारे रहला। माञ भाखि लागिन अड़ लेइ चेसटा रहेइन। 1958 साले कुड़मालि "तुफान" पतरिका चले हेलेइक सेटाँए एरा साठा संझुआताक संझुआनि संझुआए हेला। जाइत आर भाखि-चारि लागिन एराक बेजाञ टान आर दरद रहेइन आर एखनअ आहेइन।

1980 साले जखन "मुलकि कुड़मालि भाखि बाइसिक" गठन हेलेइक तखन एरा अना मुल खुँटा रहत। 1984 साले आदिवासि कुड़मि समाज बनलेइक तखन एरा सकरिअ भागिदार रहत आर एखनअ आहात। हालुक दिने प. बांगला कर पुरबांचल आदिवासि कुड़मि समाजकर मुल संजुएता हेकत।

कबिता छाड़ा परबंध, लेख, निबंध माछानि हेन-तेन लिखेक खेमअता एराक आहेइन। एराक लिखल लेख- परबंध कबिता हाला, माछानि पुसतक आकारे अपरकासित आहेइक। एराक खांखुस कुड़मालि विधिञ (अबाभन परथाएँ) समाजेक जनम मरन बिहाक नेग चलउक। इटा लेइ केउ एरा मुड़ घामाल आहात।

सभे साहितकार निआर एरा करअ आरथिक अबसथा बिपनउ तबे मनेक जरे माञ भाखिक तागिदे कलम के नि अटके देल आथिक। सेवा निवरित हेल बादउ समाज सेवा करअहत।

उँडुइं, टिलहाँइं पाखना पेंदा जापांइ
सभे डुल साँप रहहत लुकाइ।

झुंडे, धुँधे टिलहांइ, लते, पाते डाइरे
बाँधअत छाप तुमलि बरहइले।

धुँधले धुँधेक फाँके पात गुलपुटराइ
बुनअत जाल बनुँआ माकड़ाँइ।

जिलिलत, पात आड़े गहलअ घाँस आड़े
पका- फेनगाइ ढुँड़अत आहर आड़े।

फुटल फुलेक बने पतनिक मधु चुहअने
मेसेइक फुल रइआ पतनिक अजाने।

बाँचे मधु लभिकले आगडाइर ढँड़हरे
लेलहे लुति, मधुमाछि गुड़निडरे।

चुँआ, डाड़ि जाबअड़े नेदिक बहता बाने
खेलअत माछेइर पानिक ठेलअने।

घँघि, खाँखड़ा, काछिम, घंघा अर खखरिन
चरअत पानिंआसे भिनु- भिनु ठिन।

डाड़ि, जाब, जरअके, बेइरसाँइ बरसल
पानिंइ नेदि, नाला, सेतिआ कलकल।

अने धने झाड़खंड

बन डुँगरि पाहाड़े झाड़खण्ड मुलुक
बाघ भालु करत हुलुक बुलुक।

जारा, माठा, पातड़ाँइ गाड़हा, गाजाड़ आड़े
गाड़हाँइ सिआर, लाकड़ा खँध आड़े।

सँघा, गाबा, कचा खाले बेड़ा छातर गाजाड़े
डाब के डाब हाथि रहहत आड़े

बेड़ा घुटुआ, घाँसाड़े अलहानि दउआड़े
खेड़िया, हेइरना चरअत निडरे।

नाला, कचा दउआड़े हुटु पाखना पेंदाइ
साहि, बरहा, गइ रहहत लुकाइ।

सांइध, लाता, निचाले बाँस धुँधके आँधारे
सनाचिता, कुइआ, बुलअत छेउरे।

खलसअ खँड़अरे खँधाइ बा ढ़ँड़अरे
पाड़अत आँड़ा चेड़ेइ आर पाखुड़े।

दिन आर राइतेक सभे पहअरे पहअरे
बलअत पाखुड़ निज-निज धँचअरे।

सना बालाक नेदि

सबरनि मांञ नेदि
सनाक बालक नेदि
सबरनाखाक सना
थेपड़अबसि धना।
सबरनाखाक सना
बेगर सना भेलेक।
सभे निंआर गहना
माञ खातिर गड़ना
माटि माञएक साजान
धिया पुताक गुमान
मांजा हाँसाइञ चिकन
मान भुंइएक मान
हाँसे रगड़े गहना
केउ पेछुआइहाना
बहता पानिक बहि
कालहाक डरनिंहि
खेदे भेदल कालहा।
समटा छाँकाल पालहा।
हुदकाउआ धंधउरा।
तापा बसि सभेकारा
आंगराके उकाकरि
फुँकते रहा निडरि
ताताउआ गटा मुलुक
काहे हुलुकबुलुक?
इंचरा बाला डिग

सना, रूपा पांक बाला, नेदिक बहता बाने।
नेदिक गुमान आबाद पाटाउअने।

तांबा, चुन, लहा आलमानि पाहाड़ेक पाखनाँञ,
हिरा कइला, अभरअ भुँइएक पेंदाञ

सँघा, सकड़ा छाँदि, खेत-गाड़हा टेकि गेड़िया,
घुराइ पाछाड़ बेड़ा टाँइड़ आबादिआ।

छाति, पुटका, डिंगिल, कारला, कुंदरि केरिल
बन डुंगरि, पाहाड़ तिअने ढिकल।

फर, कांदा, मधु बने साग-पात सभे ठिने
आकरा निंहिं झाड़खण्डिक पराने।

झाड़खंडि माटिकमान लाल दुधि, गेरूक गुमान
जभिदलकि पिछड़ डरडरान।

कल, कुड़मि कड़ारा आदि झाड़खण्डिआ।
टुँगरि, पाहाड़े निडरे मलकइआ।

पसतानि

गड़हल मके गड़ेइआञ
गड़हन मर सुनदर बेजाञ
सुनदर गड़हन टा हेलि काल
नेजेइर बाझाने बे सामहाल
रहेक तअ रहि आपन ठिन
खेजाउला मके घुरेइनठिन
हेलँ आपन घारे अघारि मञ
हेलँ आपन धने भिखारी मञ
फेड़ भिड़ाइ काटला नाक-कान
हेजाइ देला मर पाछनान
धिया- पुता मर हेला बिभिसन
अना गठअ निंहिं हेला राबन
खेजि बाँटि देहत बेजाञ दुख
धरि डाँग कने देताक सुख
जनमाउअल छउआञ मर
खाहात माइर-गुता आनकर
हबकि चुहहत थन दसअरे
मरगिलि फरकहत डरे
राखअहत मके राखनि डुल
खाटाइ मके खाहात राजा डुल
काम लेउअन बेरा बाबा बाछा
काम निमटअलेइ हाबा हाचा।

पाउबेहे सना-डिंग
नेदि उथमा टाँइड़
आंइआ बाला टाँइड़
परखउका बांगला
आपन धंचअरे गिलला।
रहेइक बाला टाँइड़
हेलेइक बांगला टाँइड़।

टउआ

दसअरेक इरखाक डरे
डेगबाइ बाँदर निआर
डाँड़ा तर भांगउ बारेकबार।

फाँड़ें तञ ठडुआबे केसे
आहिस तअ बेजाञ आलिसे
नेखउ ठहर दसअरेक ठारे-ठुरे।

सभेले पुरखेइन तञ
आपन मान ना बिसराञ
(टमड़ें) ढुँड़हे, टउरें आपन धन भांड़ारे

चरे तर चराइ देलथु
सनाक गिलट रंग देलथु
ताउ धनि तञ आपन मान खातिरे।

जनम- मरन, बिहानेगे
दहबिड़ गेय डेगेडेगे
ताउ कहसिक निजेके आइरजअ रे!

अघरि गरखिआ नेंहअरे
जमबुदिपे पाउला ठहअरे
आइरजअ अरा केहनिक छेउरे।

लेबे ठेपअ-टा

ढिड़रा पेटा ढेला आँइखा
लिलज लेखे हुलकेइआ
कुचनि खाबे ढेला आँइखे
फुटानि तअ मरे खाइके।

जनम किना टिलआञ?
नेखउ किना आपन माञ
जांइनि आपन माञ बाटे
दुधकर सरघरे चाटें
बेजाञ चुहन देलँ मञ
केसन ठानल आहिस तञ!

छउआ पुता नेखत मर
आँइख-कान नेखउ तर
गिरला एकअंगि बेजारे
ताउए छउआ तअ मरे।

एहे बतरे बतरि तञ
भटे हेसिन खइआ देइ
कतेक दिन खइया रसे
हड़बड़ाता भुखे पिआसे।

छातिक थन पानहाए
राखअल आहँ मञ कपनाए
भालें टेबटेभाल आहि केसन
धिआ पुताञ सिराउता नअ
ठाने चुहिकेउ एतेकटा
एधांउ तञ लेबे ठेपअ-टा।



अननतअ केसरिआर 'रूपा'

कुड़मालि भाखि चारिक दुनिआँइएँ अनतं केसरिआर एकटा बाछट नाम। नामेक जखेइ अकर काम। झुमेइर कबि, भाखि, माहुर, केहनिआर, छेइवाहा आर चारि समटेइआ ढेइर निआर अकर काम। एखर जनम तखनुक मानभुम जिलाक सबरनाखा नदि पिड़ेक डिहालि गाँउ तुलिन बाँगला टाँइड़े। जनम तारिख 18 मार्च 1950 साले सुकुरबार सिड़िपटअ राइते। बापेक नाम सनाराम आर माँइकर नाम सँजति केसरिआर। सात भाइ बहिनेक माझे कबिक ठेहड़ पाँचे-चाइर भाइए मेइझला। गाँउएकर मिडिल इसकुले छ केलास पास करल पेछु आरअ पड़हेक हँतिर मेइसना गाँउ मामाघारे रहे लागला। हुँआँ रहिके झेइलदा सइतभामा विददापिठले 1967 साले एइच. एस. पास करल पेछु राँचि जाइके मारूआड़ि कलेजे भरति हेला आर 1970 साले बि.कॉम, पास करला। साहितेक बाटे टान इसकुल जिबनलेइ।आठे पड़हेइतकेइ इसकुल मेगजिने एकटा कबिता छापाइक। बांगलाइं लिखेक तेहें बापठिन काथा सुनेंहेइक, आर अहे खनलेइ कुड़मालि तरे मरि छुटा। बतरअ पाउआलेइक नअ केलासे पढ़ेइतकेइ गुरु भगबान दास माहतक ठिनले भाखि चारि लेइ ढेइर गिआन बुइध पाउला, जाकर बुताइं आइज अरा एतेक धुर। एहे दिअकर मिलनेइ आर जहते कुड़मालि भाखिक पहिल बानारकागज "मानभुम इसपेरेस" 1982 साले निखराइक पछड़ाइक- जेटा आइज इतिहास। बाप सनाराम रहत बेड़े घाखुर माहुर लाठिआल। नाम जाइदका साधिन देस खातिर लड़ि मरइआ बिर सइतअ किँगकर दत्तक चेला। तेंइ इसकुले पड़हेइतखन लेला बापहारि ठिनलैं ठेंगा खेइल सिखान पेछु कँचअ गाँउएक मनगर बि.एन. सिंह असतादेक ठिन ले खेला आरंभ करला। तेंइ पेछु इचाग, कुलाजाँघा, माठारि, उहुपिड़ि, बानसा गाँउएँ गुरू धरलेथिन। एराक खेल

गला न गरखिआ आगु
फांडे! आहउ मगअजे गेधि
निंहिं फाँड़बाइए डुबिहिस टिकअरे।

पुलकउनिञ पुलकिके
मेजुरेक पाँइख गंजि के
पाड़ाइ मरबे ना जाइस साँप धरे।

नेहराउहँ तके नेंहरे
डाँड़ा कसि रिठाल ठेंगाधरे।
आपन माञ भाखि-चारि तेंतारें।

हुलेइर, हुल, उलगुलान

गनेस गकुल, सिधुकानहु, रघु बिरसा भगमान
हुलेइर हुलेइर, हुल हुल, उलगुलान उलगुलान
माँइ माटि-तरे आपन सँपि गेला जिउ जाहान
हुलेइर हुलेइर, हुलहुल, उलगुलान उलगुलान ।।

धरला केउए टाँगि ठेंगा, केउए फारसा, धेनुक काँड़
दिकु बेनिआ इँगरेज मारे हेउए हेला सभे चाँड़
गुलिइँ फाँसिँइ नि धमकिके बाड़हाउला मान गुमान
हुलेइर हुलेइर, हुल हुल, उलगुलान उलगुलान ।।

तरहद, राजमहले, सेल राकाब पाहाड़ तामाड़े
बाँचेक चाइड़े लाखअ मानुस मरे हेला जहड़े
जुलुम सासन नि मानला गाते जतेक खन परान
हुलेइर हुलेइर, हुल हुल, उलगुलान उलगुलान

मरिखुनअ गेलेहे बाँचि, हारिखुनअ हेलन जित
जतेक दिन चाँद सुरूज गुँजरतेइक तहर गित
बासात बादेइर फरे फुले पितथिमें साँइझ बिहान
हुलेइर, हुलेइर, हुल हुल, उलगुलान उलगुलान ।।

माँइ माटि काँदेइस आइझ, हेजाइसाहि भाखि चारि
बहु बेटि अरजन हामर, परेक सँगे जाइस डहरि ।
केउए कि आउता तहर लेखे, हुँकड़ता डर-डरान
हुलेइर हुलेइर, हुल हुल, उलगुलान उलगुलान ।।

सिखाल स चाइरेक लेखे सभेठिन मेसाइके चेला आथिन एखनँ। अहे मेसार निचुत करेहेला कुड़मालि भाखि चारिक खदिनादि आर झुमेइर लिखा।

1982 साले आपन छेइबाहा (नाटक दल) छँहगि गड़हिके आपन लिखल “जाहलि” छेइबाहा 1983 सालेक पहिल एपरिल कर राइते पुरलिआक एम.एस.ए. मइदाने छेइनालेइक इटाउ आर एकटा इतिहास। आरअ अहे इतिहासे सनाक आखड़अ दाग दागाते रहतेइक जे अहे कुड़मालि छेइबे बेटि छउनाक चरित टाँइ बेटि छउनहिंपहिल करि देखाउ रहत। एखन तड़िक सातटा छेइब लिखलाहत- डड़पा, खाटजुड़ि मुड़ुलहर कटसिलाञ गाँउहारिइँ छेइबअ करलाहात। एराक लिखल कबिता पथि “सपन आपन” 1982 लेइ राँचि बिस विदालइए एम.ए. केलासे पड़हा चलेहेइक। केहनि सँझड़न “सातुल” पथिटाउ चलेहेइका। हाले कलहान, सिधु कान्हु, विनोबा भाबे बिस विददालइए “जाहलि” छेइबहाके पड़हाँइ सामिल करलाहाथिक।

1986 साले मेदानिपुरेक खेमासुलिक जड़ुआहिंइ एखर “कुड़मालि भाँउअर” सरूआलाहेइक। “पिआसि” आर “सिदुँर-काजर” झुमेइरे पथि छापालाहेक। ‘जिसुक’ जिबन लेइके ढेइर झुमेइर लिखलाहात, बाइबेलेक ढेइर केहनि कुड़मालिँइ लिखि भेउरलाहात जारगअ आर बेंगालुर खिरिसतान मिसन बाटेले।

1973 सालले “मेलेरिआ बिभाग पछिम बाँगाल सरकार कर अधिने “हेलथ इनिसपेकटर” पाइआँइ रहिके काम करला आर 2010 साले साइठेक उमेइरे घारे बसला।

एराक कामेक माइने, मेदनिपुर, चनदनकिआरि, पाड़ा पुरूलिआ, राँचिक आखड़ा बाटेले छाड़ि आरअ ठिनकाले ढेइर माइन पाउलाहात। एखनँ एरा लिखते आहात, भाखि चारिके पछिम बाँगाले थाहि थिथि माइन देउआउएक हाँतिर आदिबासि कुड़मि समाज, मुलकि कुड़मालि भाखि बाइसि हेनतेन दँहगि संग काँधे काँधे काँध मिलाइके चलअहत। हाले आपन गिते आठटा झुमेइरेक पुरखेइनि गित “लेहु देउरा भउजिक आपाभार” सि.डि. केसेट बाहराल आहात जेटा लके ढेइरे पसिँद करअहत।

सुधाइ हाँसे

भाइ भेइआद पड़सि गतिआ
जिबन नदिक मिलल सतिआ
दुइ एकटा जदि जाइक सुखि
चेड़ुआइ छिनगांइ गतरें ढुकि
किनाग केथिक भाभना ताकर लागि
नदि कि रहेइग थिराइ सतिआक आसे?
जिबन नेहेइक थिराइ आफड़े बसे
पारबे जादि हाँसे सुधाइ हाँसे।।

अकुँराइ जखन विहिन कनँ छानि
पितथिमे लेइ नाँउआँ जनम ठानि
फाटेइग भुँइ उठेइक हिलि काँपि
दाड़ारे कनँ बिहिन जाइग तपि
नाम निँमुदे गुचेइग काकरअ ताड़ासे
आँकुर पुँगि पतुआइग, नि रहि आसे।
जिबन नेहेइक थिराइ आफड़े बसे
पारबे जदि हाँसें सुधाइ हाँसे।।

नदि बहेइक आपन सुड़ुरे
गाड़हा जुड़िआ लेइके गतरे
बहाटाइए नदिक धँचर धरम
नाँउआँ सिरजनेक तरे धँसे पिंड़
नदि नि रहेइक भालि अटकि
सिरजनें बहे देस डेगि नाँउआँ देसे।
जिबन नेहेइक थिराइ आफड़े बसे
पारबे जादि हाँसे सुधाइ हाँसे।।

मरले मानुस आउअल निआर इ पितथिमें घुरि
ताँहुँ अनअनतअ रहल आसे बाटहेरिखुन जिउधरि
जिँअँत केउए आहिआ हेले धरा नँ भाला अहे सान
हुलेइर हुलेइर, हुल हुल, उलगुलान उलगुलान।।

मँइ मुरदार हेकँ

अ तइँ अलतालेइ लुकाइ जाबे
ढेइर बुझलाहिस
मके भेंदा पाउलाहिस

सुरूजटि बिहानें जखन उगेइ
राइत जागा सिँथ
डेगे डेगे- घाँसेक डगे
डहरेक दिअ करे
दाँप आर भाँजे पाछनाइक
पाइरालाहे केउ
झुड़े पाते ताकरे चिनहा छेउ
नेहत केउ
तँइ छाड़ि दसर आन
मर आँइख नेखि केजान
मँइ काना हेकँ।

कुइलि चेरेइ चुनगुनिंइ
डाइरे पाते गाउअत गित
पाइख पाखुड़ मेजुरे बुझि रित
बाउए महक बास
नेखउ कि तर बास
मँर लेलेइ निकास
पाउअँ तर गातेक फुलुँग बास
जँदे जँदे बुलिस
तँदे तँदे घुरेइक बाउए

देखा पाउअम तर
एकदिन मकहूँ तरे लेखे अलताउबे
सँगे करि मके लेले जाबे
उदिन तअ देखबँ तके
मेल आहेन बाबु दिअकर कहता लके
जतेक चउछालि फरफँदि तर
जानँ मँइ निमजुआनि लेइ
मरअनतर नेखि केजान
मँइ मुरदार हेकँ!

बिधिक बेड़े तँइ मँइ फुल
कनें कइ दिन रहब कहा भुल
एहे आहिअ सँगे एहे झड़ब
एके बँखे डाइरे रहिअ नि खेहब
कने रिझब भँउअरे कने रहत पिआसि
तँहुँ फुलेक जनम परेक तरे हाँसें।
जिबन नेहेइक थिराइ आफड़े बसे
पारबे जदि हाँसे सुधाइ हाँसे।।

सँहरेइ दिन
तुलसि पिँड़हा ठिन
धेनुआलि एकटि छागेइर
दुइटि हेला पँठरू
केरिआ काबरा
चिहिल चिहिल।

अतेक दड़ह छागेइरटि
आँउआँर नाहहुँ फेकेइते
देलेइक मरि
अँड़रि अँड़रि
भेभाइ छटपटाइ
पेट फुलि।

सुनला लके ठुपाहेला
कहला हाइ हाइ
इधँउ छउआ नाड़हा दाइ
हेता पँठरु दिअ मानुस केसे
लगेकर भाभना
मर मुँड़े हाथ।

छागेइर कि मानुस हेत
रहलँ मँइ आसे
देखेक खाँखुसे
मानुसे नि मानुस हेत
छागेइर छउआ
मानुस हेता केसे
धँचर भाखि छाड़ि सेंसे!

मर कि नाक नेखि
नि पारँ सुँघे दाँजे
मँइ सापटानाखा हेकँ!
बिहानले साँइझ तड़िक
नाना निगिद थसड़ बजड़
निंदाल गाँउगिला जागेइक
सुनाइक मानुसेक राउ
आपन आपन काम पाइटे
जे जाहार जात खाटे
डँगा चलेइक घाटे
आपन ठाठे बाटे
उ भिड़े तँइ आहिस जानँ
देखल नेखँ तेइ नि चिनहँ
टाँइड़े बने खेतेक आइड़े
डहर अरिआलेइक केसे
तँइ धामधामाइके जदि निहि चलले
तर दाँपेक सबद मँइ सुनँलाहँ
मर कान नेखि केजान
मँइ काला हेकँ!

मँइ जानँ तर ठेकान काँहाँ
रउदे लुकाबे नँ खजबे छाँहाँ
नँ रहबे जाहाँ मन ताँहाँ
मँइ खजे नि जाँब
निहि गचराउबँ
देखा दे देखा दे कहि
पततुक आहि ढेइरे मर

मानुसेक जिबन- आधा सुरुज आधा चाँदेक सिरजन
खाँखुस सँचे अनधन- खाटि मरि दिनसगर राइते सपन
थसड़ बझड़ चनहा दुलार मिलन
करमें धरम नेहेइक कापाड़ लिखन
सँगसारे, सँग सार - केहु नाहि आपन।।

मानुस हेता केसे

बाहेइरले टिपकलेइक
बुँद एक ठपा
भिनसारेक सिँथे
घाँसे पाते पाते
गाते गाते
लखे लखे।

आर एकटा बुँद
टिपकलेइक अलखे
हेलेइक दुइ ठपा
दे ठेपा दे ठेपा
कापाड़ेक ठिका
सिँदुर जखे।

सिरजाल दिअ-जाइत
भिनु देखाइत
सँगे सँगे
अँगे अँगे
रहलेइक दिन राइत
सिरजाल मानुस

मान आर हुस
रहलेइ कि मानुस
बुइधगरिआ लेखे
चर छिनार कि नेहत मानुस
आहेन अराकरअ बुइध
पाड़ाएक बाँचेक।



शंकर लाल महतो

संकर लाल महातअ (शंकर लाल महतो)
माञेक नाम- रातुलि माहातअ, बापेक नाम - हरि माहातअ
बंस- (गुसुटि) - बंसरिआर, जनम तारिकः - 15.10.1955
घार लखि - भगबति माहातअ
साकिम- रुगड़ि, डाकघर- महुलपानि, थाना- चकरधरपुर
जिला- पछिम सिंगभुम, झारखंड

बेटि- तिन टि- किरति लता, आरति लता, नमिता। बेटा- एकटा - आसिस कुमार माहातअ। बेटा बेटि राखर इसकुल कअलेजें पाठ पड़हा-लेखा चलल आहेक। भाइ- तिन जन - बड़अ- रतन लाल, मेझिला- जगदिस चनूदरअ, छटअ - मञ, संकर लाल। बहिन- दुइटि- बड़अ (मरलें छटअ)- कइलानि (एखन सरगबासि), छटअ- बासनूति

पड़हा-लेखा (तालिम) : 1. भुञपाठ (पहिल पाठ)- पाराइमरि इसकुल महुलपानि। 2. मेटरिक - माहातूमा गानूधि उचच बिदआलइ चकरधरपुर 1973। 3. आइ.ए. - टाटा कअलेज चाइबासा- 1975। 4. बि. ए. (अर्थशास्त्र परतिसठा) - टाटा कॉलेज चाइबासा-1977। 5. एम.ए. (अर्थशास्त्र) - राँची इउनिभरसिटिक चाइबासा सेंटरें दाखिल, मिनतुक चाकरिक फेइरें छाड़ाल 1982। 6. बि.एड. - उतूकल इउनिभरसिटि - 1985। 7. उपरिआ सिखन - (क) नउतन सिखा नितिक छाँहिरें- राइज सिखा सअध आर परसिखनेक (प्रशिक्षण) बेआपक उनमुखिकरण कारजकरमें परसिखन- 1989 (ख) राजभासा- हिनूदि आर पारारुपन परिखा -1990।

काम (खेतरअ) काज : 1. कबि परसतावित उचच बिदिआलइ बड़अबामबञ-1978 साले खँजाला। तखन इ इसकुल- गुमसल, निझाल आर

केहु नाहि आपन

मानुसेक जिबन - झुड़ झाड़े भरल बादाड़ बन
आर मन तअ मन - लते फरे फुले बाझे मन

तेइँ हेइ सतर, छाँपे डहर
जिबन नि आझ बाझातउ धन।
सँगसारे, सँग सार- केहु नाहि आपन।।
मधुमासे नाउआ गड़हन - गतर मने जागे कतेक सपन

सपन मानुसेक सपन- एहे बहबहि रहिजाति जिबन।
मनतुक आउले निरन, खाड़रा धन
दँके बाउए उसठ चेठा दिसा मन।
सँगसारे, सँग सार - केहु नाहि आपन।।

छमासे छटा रितु- मास भेदे मन बनेक गड़हन बरन
मुलखि करम छाता - इँद सँहरेइ पुसे अहे नाचन कुदन
निरन बेइरसा भादर पेछु काटेइन
जाड़े आलहा मालहा मधु जइबन
सँगसारे, सँग सार - केहु नाहि आपन।

उँचअ मुड़ पाखन- बिछि काटि झुड़ि झाँटि भरन पसन
दुख सुख निते मथन- सिकअड़े पाते छाले जिबन मरन
मेजुर गित, साँपेक फँस, बाघेक गरजन,
डहरे बजड़ल नख लहुक रिसन
सँगसारे, सँग सार- केहु नाहि आपन।।

कुड़मिक ढेउ

साल बने खँपा देखि, महुल बने झँपा देखि, हाइ रे हाइ।
ए हअ, आम बने कुइलि कुजन,
देखा रे भाइ, कुड़मि कर जहड़अलअ मन ।। 1।।
जँदे- जँदे पानिक सत,
तँदे तँदे कुड़मिक गठ, हाइ रे हाइ।
ए हअ, पानि माटिञ मेसअलअ जिबन,
देखा रे भाइ, कुड़मि कर जहड़अलअ मन।। 2।।
काकरअ ना बल मनेइ,
किछुअ ना माँगे जानेइ, हाइ रे हाइ।
ए हअ, सिरजअइए करअमें रतन,
देखा रे भाइ, कुड़मि कर जहड़अलअ मन ।। 3।।
काड़हत अमरितअ सिरि,
माञ माटिक छाति चिरि, हाइ रे हाइ,
एहअ, बाँटि खुँटि जिउए कर पालन,
देखा रे भाइ, कुड़मि कर जहड़अलअ मन ।। 4।।
चेर मुलें आदिबासि,
डाइर पातें परअबासि, हाइ रे हाइ।
ए हअ, चारि धरम सारना पुजन,
देखा रे भाइ, कुड़मि कर जहड़ल मन ।। 5।।
निहि मुरअति पुजा,
परकितिक संगे खँजा, हाइ रे हाइ
ए हअ, पुजअलअ संकअरें गाछअ बन,
देखा रे भाइ, कुड़मि कर जहड़अलअ मन ।।6 ।।

पेनिहरि

छलके ठिलिआ भरल

छलके तअ उछलि गिरे पानि
पानि मर जिनगानि पानि पानि।
हेरि पेनिहरि छाति ललके
दलके तअ उछलि गिरे पानि

उछलि भिजे आँचर, उछलि उछलि
सुपलि धइ गतर बहि गिरे।
गिरे दाँप लखे लखे, गिरे गिरे।
जुआर्निं पिंधनाहिँ न अटके।।
दलके तअ उछलि गिरे पानि

गरि धनि साँउअरि, गरि गरि।
रूपे भरि झिरि झिरि साँइझे।
साँइझे बकलि उड़े, साँइझे साँइझे।
लउसि भाँजे डाँड़ा लचके
दलके तअ उछलि गिरे पानि।।

रूपा गड़े हाँथे रूपा रूपा।
भूखा मन पिरिति पिआसि।।
पिआसि जिबन, पि आसि पिआसि
अनतर भेदे हाँसि महके।।
छलके तअ उछलि गिरे पानि।।

मरन अबसथाञ। आपन संगिराक संगे, गाङ गाङ घुरि पड़हुआ छउआ जगाड़ करि, इसकुल के फेइर सुगाबुगाअला। ओहे बछर तड़िक बेठिआ खाटि इसकुल के गहगहाउअला। सरकारि करनेक खातिर इसकुलेक देउआन-सिरि सुखलाल माहातअ संगे डिसि आफिस चाइबासाक दुआइरें अनसनें बसला। पाछु परजेकटें आनेक खातिर देउआन संगे परखंड कारजालइ खरसाआञ धारनाञ बसला। शेंषे परसतावित इसकुल परजेकट इसकुलें पालट हेलेइक। परजेकट उचच विदिआलइ बड़ाबामूबअञ 1986 लें एखन तड़िक साहाइअक सिखक पदें आहात।

पेरेरना : छटअ उमेइर लेइ गित संगिते रुचि रहेइन। से हतें, हिनूदि उड़िआ आर बांगलाञ (देवनागरि लिपिहिं) गित, पइद आर कहनि रचेक हुचकन। एहे हुचकन थानाइ सिरि गनेसर बंसरिआर, उबेरिआक देउआन मुलकि कुड़मालि भाखि बाइसि, सिंगभुम चेंगहिक, एराके कुड़मालिञ रचना करेइक प्रेरना देलथिन। अखरे पेरेरनाञ एरा कुड़मालिञ कलम चालाउलेथिक।

परकासित गइद आर पइद, केहनि : 1. चासा (पइद) - मुलकि 1989, 2. कुड़मिक ढेउ (पइद), 3. सबलें बड़अ माइनगर जिउ (कहनि काथा) गइद - 2010, 4. जागरन गित -(पइद) 2010, 5. "समाज सेबा" आर "पतका गित"- 2013, 6. चहँट गितमाला (पइद)।

सनमान : 1. परससति चिनूह- झारखंड कुड़मि सममेलन, अटार, बाँदगाङ। माननिअ उप मुखिआ मंतरि, सुदेश माहातअक हातें- 2008, 2. परससति चिनूह आर परससति पतरअ - कुड़मि कलचरल सअसाइटि, केंदुझर अडिसा। "बाँदना एउआर्ड -2010, 3. परससति पतरअ - अडिसा कुड़मालि आखड़ा, चमपाझर चेंगहि- 2013, 4. साल आर परससति पतरअ- झारखंड भासा बिकास परिसद, चकरधरपुर-2013

सरकारि सनमान : प. परससति पतरअ, परससति चिनूह, साल - मानव संसाधन विकास बिभाग, झारखंड राँचि। सिखक पुरुसकार- 2010-2011. माननिअ सिखा मंतरि बइदनाथ रामेक हातें- 5 सितमूबर 2012।

मोबाइल : 9661150695

घार जाउआञ (झुमेइर)

सुना घार जाउआञेक काथा
उपर उपर चाक चिकन, भितर बेजाञ बेथा ।। घो.।।
जेनि बिलाइ पाठरानि, मरद रहल मुसा बनि।

काथा टुमें ढेसना मारल, बिजलि बजर गाँथा,
सुना घार जाउआञेक काथा।
उपर उपर चाक चिकन, भितर बेजाञ बेथा।। 1 ।।

दिन राइत खाटि खाटि, जिबन गेल पानि फाटि।
माइन बेबहार ससुर घारें, बागाल ढाँगड़ जथा,
सुना घार जाउआञेक काथा।
उपर उपर चाक चिकन, भितर बेजाञ बेथा।।2।।

इसकुल पाठाइ छउआ पुता के, जेनि गबचल टिबि देखे।
मरद गेल काचे जेनिक, साइआ साड़ि काँथा,
सुना घार जाउआञेक काथा।
उपर उपर चाक चिकन, भितर बेजाञ बेथा ।।3।।

छाड़ि बापेक धन थका थका, घार जाउआञ हेल संकर बका।
माञ बाप भाइ बहिन सभेक गाल, फुलल अजथा,
सुना घार जाउआञेंक काथा।
उपर उपर चाक चिकन, भितर बेजाञ बेथा।।4।।

परकितिक साजान

परकितिक रंग नाना
कतेक सुंदर ताना बाना।
मेघअ देखि मेजुरा,
फुलअ देखि भमअरा...........
झुरि झुरि झुरि नाचे रे,
हिआ मन हरअसे ।।1।।
बसंत आमें कुइलिनि,
सिसिर जाड़े भगजगिनि
भिनसारें पाखि रा,
पानि बेरिसाञ झिंगुरा..........
चेरे बेरे चें चें गाउए रे,
हिआ मन हरअसे ।।2।।
साल महुल आम पाड़सा,
निम करम बड़ दुधअसा।
नाना जाति गाछेक बन,
महअ महअ फुलअ चंदन.................
उडु उडु मन करे रे,
हिआ मन हरअसे ।। 3।।
पाहाड़अ परबतअ घाटि,
नदि नाला पाथर माटि
नाना बरन जिब जंतु रा,
छटअ बड़अ गात गँडि रा,
बाझाइ संकर फाँसे रे,
हिआ मन हरसे ।। 4।।

नेगि

हेकिस तञ हामर सभे दिनेक नेगि
टुम परतेय तके मञ आनअ भांगि
साबेय संगे गांथहँ तर अंगेक माला
बाँधि दुवाइरे गुचाउहँ मनेक जाला
कनइ जे नेगे तुरते जाहँ तरे ठिन
धन्य! सहाय हामर हेकिस कठिन।

सेबाञ पुजाञ डाइर रहतउ घटे
परिनएक खने पानि छिंटा मुँड बाटे
डाँड़ाल आहिस भुइएं टाँइड़ टिकरे
पिरथिम भितरे भितरे आहार करे
कनइ जे नेगे तुरते जाहँ तरे ठिन
धन्य! सहाय हामर हेकिस कठिन।

मंदऽ निकास लेइके शुधऽ दिस-मके
फुल फर दिस समये आर नेगे- नेगे
आंगर-जांगर आहउ तर नाना अंगे
खसामदि करथु भिनु लके तर संगे
जुग-जुग गुणकारी सभे सभे दिन
धन्य! सहाय हामर हेकिस कठिन।

गाते हाअउ खुन- पानि, काथा नि कहिस
नियमे माँगे गेले झागड़ा नि लागिस
डांड़ाइ रहि जिब के छाँहेइर दिस
आसद-मसद कर काम लागेय तरे ठिन

करला। एच.इ.सी. कर लोहा कुटुआ हेइके साहित साधनाक जे उदाहरण प्रस्तुत करला इटा अनुकरणीय आर साहित साधकराक तेंहे प्रेरणा सरोत हेकेइक। साहित साधक छाड़ा एरा रासलीलाक आध्यात्म रसे माताल मजल आर मांजल रसिक हेकत। एराक मुँहे झूमिइरेक राग फुटेइन आर चाइले नाचेक ताल झलकेइन बाजना बाजलेइ शरीरेक अंग अंग फड़के लागेइन। रसिकता जेसन तन बदने असने मन अन्तअरे। एराक कबिताञ रस जेसने टगहरे लागेइक। एराक कबिता वार्णिक छन्दे आर गीत मात्रिक छन्दे गूँथल आहेइन। रसिक हेइकउ एरा जिवनेक अइनअ पक्ख के नि छाड़लाथिक। सामाजिक जिबन, देशभक्ति, शहीद गुणगान, परकितिक उपरउ एराक कबिताक निमुंद पावाइक। विशेष उल्लेखनीय स्वाधीनता संग्रामेक लहर के एरा आपन कबिताञ सुर देलाथिक आर 1980 कर दशक माहान चुहाड़ विद्रोह कर माहान नेता क्रांतिवीर रघुनाथ माहतो कर उपर गीत रचना करि विभिन्न अनुष्ठाने स्वर पाठ करला। एरा के कुड़मालिक 'रसिक लोक गायक' संज्ञा देलेउ कन अतिउक्ति ने हेतेइक। एराक एहे गुण कुड़मालि के जनजाति भाषा विभाग (राँची विश्वविद्यालय) स्थापित करेलाइ कारगर साबित हेल रहेइक। माञ-भाखि स्थापित करेलाइ एरा तनमन धने समरपित आहात। राँची, धनबाद, जमशेदपुर ले प्रकाशित विभिन्न पत्र-पत्रिकाञ एराक कविता आर लेख प्रकाशित हेल आहेन। आकाशवाणी राँचीञ एरा बहुत परोगराम पेश करल आहात आर पुस्तकरूपे बहुत कृति प्रकाशनेक अपेखाञ आहेइन। बिहा-गीत, झुमेइर, कविता कर संकलन एराक ठिन आहेइन इटाक छाड़ाउ कुड़मालि नाटक आर आड़ा- साड़ाँग (शब्दकोश) कर उपर कलम चलेहेन। एरा डहर, कचनार आर सेंदरा पत्रिका कर सहायक सम्पादक रहल आहात।

अति विशेष- 1. उत्तरप्रदेश प्रतापगढ़ कर साहित्यिक-सांस्कृतिक संस्था बाटे ले 'कलाश्री' सम्माने सम्मानित। 2. झुमेइर गायक आर झुमेइर उन्नायक हिंसाबे एराक चर्चा भारतीय जन-नाट्य एकेडेमी (नई दिल्ली) तक पंहचल आहेइन।

संपर्कः ग्राम कोंचो, पो. टुटकी नवाडीह, सिल्ली, राँची। मोबाइल : 9472562998

मेहनेतउ कम निंहि, काम करेया मेंहि-मेंहि
झाम- झाम पानी, ढुल-ढुल जाड़े एहे बुढ़ा हाड़े
एसकेइत नाञ, खाटिस निधांधा खेते टाँइड़े
कहेक आहउ मने, पारलेनिकहे दुख दिने
सबकर दुलार रहबे जुग-जुग सभे दिने ।
चलले चाल कमिया चाले-चाले बाछा अरजेआ
अह! झानगा-झानगि तरे घेंचाञ दड़ा बाँधेआ।

केउ पाहाड़ धेकले जाए, केउ से नाम जागाए
गातेक मांस सिराए गेलउ उबगारेइ आए
चाँदकापाड़े जाकर, संगे- संग उठन बसन
मानउआ नामधारी, सभे आहिस सुंसराएकन
मानसिंहे करतउ जतन-सुंसार-आरा धन
चलले चाल कमिया चाले-चाले बाछा अरजेआ
अह! झानगा-झानगि तरे घेंचाञ दड़ा बाँधेआ।

अरजेआ

जनम तर कन जगे बेइट खाटे मर्त्त भुएं
'नि लागम कनऽ काम' नि बाहरालउ तर मुँहे
तरे मुँहे उगल- डुबल आघाल चाहे भुखले
काम करेक बेराञ 'हेइट' कहिके निकहले
चेंकचेंकिआ रउदे-पानिञ कामे लागि रहले
चलले चाल कमिया चाले-चाले बाछा अरजेआ
अह! झानगा-झानगि तरे घेंचाञ दड़ा बाँधेआ

नेखउ लिखल कापाड़े खांड़ा गेंदरा गाते लेबे
पुरखनि चाइर जुग सिखले 'हेंड़रेय' रहे
तिरिसकाल खाटि मरिस कतेइक पापि लेखे
आपन संगे जानले किसान करऽ लाज राखे
सुखल भिंजल खाय रहिसला सिधा संत लेखे
चलले चाल कमिया चाले-चाले बाछा अरजेआ
अह! झानगा--झानगि तरे घेंचाञ दड़ा बाँधेआ।

असुक बेजारउ नि कहि सुनाइस कनऽ मके
थुम थुमाय रहिहिस निजेक कापाड़ ठंकिके
आउलाहिस हिंया हित नाताकर बेइट खाटे
चिरऽ काल खाटिकउ, निमांगिस- 'भुति दे मके'
'बसिके खज सुखे जिवे' एसनऽनाञतर भागे
चलले चाल कमिया चाले-चाले बाछा अरजेआ
अह! झानगा-झानगि तरे घेंचाञ दड़ा बाँधेआ।

बललम कँड़े कारजा छेदन"
एंगरेजराकर फाड़े कारजा
रघुनाथे धरल हांथे फारसा।

शुरू हेलेइक लड़ाइ गटाइ
मांञ कहे 'बेटा जाञ लड़े जाञ'
ठानि लेला 'काटि माँएक बाँधन'
शमन करब कलप-काँदन
"आवा जाइत भुलि पाँइत मिलि
धरम-पुजा एखन छाड़ि करि
माञएक गड़े बेड़िक बाँधन
करे हेतेइक दुख बिमओचन"
टाँगि धरला तबे कान्हु-सिधु
मुँड़ उठाल बिर भगत बुधु
डहरला कइली, सिनगी दाइ
जुइधे केउ नि रहला निदाए
उठाला सर "जय भारत माञ"
तके हामरा करबउ आजाद
गाँवे-नगरे सलगाला मसाल
धइनअ! अरा माञ माटिक लाल! ।2 ।

अने रण बने रण, रणे-रण
दले-दले जहड़ला जने-जन
भाभत, गोबिन्द, चुनाराम
जडला उदित - कानन, सुजान
तिर-काँड़ धेनुक, टाँगि- फारसा
गुरूपदक हाँथिआरेक लेखा
मुहाल गनपत देउए जान
गोरा अचम्भित हेला हालकाइन

आजादि

किछु बछरेक आगुकर काथा
गुलाम मुलुके रहेइक बेथा
गोराक राइजे बिसुम शासन
नि मानबे तऽ कोड़ा ले दानादन
निते निते अरा एसने करत
बित-बिति आर कतेक सहब
नेता रहत जमकल सबल
जुगुत करला सभे मने-मन
'कन लेखे देश आजाद करब?'
देशे हुदकाला विद्रोह मसाल
धइनअ! अरा माञ माटिक लाल! ।2 ।

पाँड़रा साहेब घोड़ाक उपर
देशवासिक मुँड़ माटिक भर
साहेब कहे- 'सालाम कर'
'गुलाम चलन गुलाम निअर'
हेंय जमिदार चाहे रइअत
पाहाड़जमिं हिंसाबे भरकर
कहल रघुनाथ किनाक कर ?
दिकु! तञ हेकिस मालिककन ?
पाँड़रा करल हुकुम तखन
"जेञ नि मानत ब्रिटिश शासन
ताके मारा गाते कोड़ा दानादन"
घाउए पड़ल नुनेक छिंटन
गरजल नेता बजर पाखन
"डुगडुगि बाजाए करा खेदन

अमर सहिद बिर रघुनाथ

सतरऽ 'स' आड़तिस साले पुरनिमा फागुन उजऽरे,
एंगरेज काले जनम लेला बिर रघुनाथे
घुठिआडि गाँउए, केतुंगा निमडि पथ कर ठांवे।

बालपने सिधा साधा किसऽरे दारून जधा
माटिक जालांए धिर से धिरज बाँधे
गारामिन के जागाउए केतुंगा निमडि पथ कर ठांवे।

संगि बुलिकर भेंट जमिदार गांउआरि ठेठ
संचि-बुझि चले बने झाड़े जुगुत करे
मांएक लाज राखे केतुंगा निमडि पथ कर ठांवें।।

उड़ीसा बिहार बांगाले मेदनापुर प.उ. बतिस माइले
दुसमन चेंताउए लड़ेइआ सबल सभे
चुहाड़ कहाए केतुंगा निमडि पथ कर ठांवें।।

कल-कड़ा संग कुड़मि मिलल, धरि धेनुक-कांड़ चलल,
पांडरा डाराउए फुल सेइहाक सभेक मिलने
हित-मित मिलाउए झेइलदा-सिलि पथ कर ठांवें।।

तबे भुमिज सारदार मांझि सांथाल मुंड़ा हेला राजि
एक मते बाँधउए गमन करला दले-बले,
कफन बाँधि ताउए सिलि बुढ़ाम पथ कर ठांवे।।

शेख भिखारी बाहादुर बिरसा
लड़ला शाने पाण्डेय- मंगला
लुकि-ढुकि, झुँड़-झाँड़ कनाकचा
खाइ कांदा-मुला, फर काँचा-पिचा
राखेलाए माँञकर सनमान
बँधि फेटा संग छतिया बिसाल
ठाकुर विश्वनाथ कम निहिँ
खाला किरा- "फाँसि तऽ फाँसिसही"।
''देशेक बेदिञ तजब परान''
गाँउए-गाँउए मागि लेला जगदान
करेलाय देशेक कइलान
जरलेइक आजादिक आइग
धइनअ! अरा माञ माटिक लाल! ।2 ।

तिलक- नेहरू मिलि संगे- संग
गाँधी - सुभाष धरला 'कमान'
बिर जोधा सभे देला कुलकुलि
"बन्दे मातरम" आवाज भारी
छउआ-पुता डाँड़ाला बलिदाने
छाउअल आकाश तिरंगा निशाने
भगत-खुदि आर एक सांहासी
हाँसि हाँसि पिंधला घेंचाञ फाँसि
एसन उफान जुवानेक शान
गाँवे-गाँवे उठाला जर तुफान
"जय भारत माञ-माटि माहान।"
आजादि सेनानि भारत संतान
लहरऽलेइक मसाल-मसाल
धइनअ! अरा माञ माटिक लाल! ।2 ।



करुणामयी महतो 'केसरिआर'

कुड़मालि भाखि-साहित आर चारि संग जड़ाइल करुनामइ केसरिआर एकटि महिला साहितकार आर सामाज पेरमि हेकत। हालुक कुड़मालि साहित जगअते एरा उदिअमान ''कबिनि'' हेकत। इटा हामराक अति गरअबेक काथा।

एखर जनम पुरुलिआ (मानभुम) जिलाक झेइलदा थानाक भितर तुलिन पासे 'माँड़ु' गाँउए। एराक जनम तारिख-17.07.1955 हेकेइन। बापेक नाम श्रीकान्त महतो आर माञेक नाम साबित्री महतो। माञ- बापेक एरा साधेक एकटि बेटि मिनतुक सउब ले बड़अ संतान। एराक पिठे तिन भाइ। एरा माञ-बापेक दुलारि बेटि रहत।

एराक पढ़ाइ माँड़ु गाँउएक प्राथमिक विदयालय ले सुरू। पाँच केलास पास करल बादे 'जइ सिआराम हाइ इसकुल' तुलिने भरति हेला आर 1971 साले गारअ केलास पास करला। कॉलेज पढ़ेलाइ एरा पुरुलिआ निसतारिनि कॉलेजे भरति हेला। 1973 साले बी.ए. पास करला। आघु बाटे पढ़ेक खांखुस रहेइन सेइ माहान जनजातीय आर क्षेत्रीय भाषा विभाग राँची विश्वविदयालये भरती हेला आर 1987 साले कुड़मालिञ एम.ए. पास करला। एकर बादे पुरुलिया हमिअपेथिक कॉलेज ले डी.एच.एम.एस. कर डिगरि लेला।

संसार निअम अनुजाइं 1992 साले बिहाक बाँधअने बाँधाला आर घार-करनाक रंगे रगाए गेला। चुलहा-चउकि समडाहए केउ रिदएक साहित धारा के प्रवाहमान राखलेथिक। कबिता रचना चलते रहलेइक, जे गिला 'करम तीर्थ', 'करम दीप', 'बानार', 'मानभुम एक्सप्रेस', 'सारहुल', 'आखड़ा', 'बनफुल', आखाइन, हेन-तेन पतरिकाए प्रकाशित हेते रहलेइक। "टेंस फुल'

गुनेक तरेइ रघुनाथ हामरा एके साथे,
कारांति गाथा लिखाउए हांथे कलम धारदार लेइके,
हिंदउआर आघुआउए केतुंगा निमडि पथ कर ठांवे।।

एधाँउ आउआ सभे मिलि लिखा गित आला-पालि,
कबि लेखक गेआनि गुनि, सरकार के देखाउए
इतिहास जागाउए किता-बुढ़ाम पथ कर ठांवे।।

"मानसिंग" कर सुनल काथा किता-लटा गाँउएक गाथा
चिनहा आहेइक 'सिले' सहिद हेला'स' सतरऽ आठातरे
गित सुनाउए सिलि बुढ़ाम पथ कर ठांवे।।

बुझि देखा गुनिराइ

एके लेखे तिन भाइ
लड़कअलाहात सभेले आगाइं
हांड़ि उपरे बसि दिन गुचाइ
आहात तिन बाटे तिनअ मुह घुराइ,
आपन मुड़ नउआइ
देखिके गेलं भकुआइ
बुझि देखा पंडित गुनिराइ।

हांडि हेंठे पांच भाइ
भकता झुला लेखे टांगाइ
झुलअहत एकटि खुंटाइं
चित काबरा डांग लागाइ
मुड़ गड़ काकर बुझा दाइ
देखिके गेलं अंधमुधाइ,
बुझि देखा पंडित गुनिराइ।

खुंटाक हेंठे एकुइसअ भाइ
सभे एके लेखे देखाइ
एके रंगे आहात अड़हाइ
तर हेरिहर बिछनाइ,
डांड़ालाहात जातांइ पातांइ
देखिके गेलं अकबकाइ,
बुझि देखा पंडित गुनिराइ।

आगुंइ आहात पनचास भाइ
पेछुंइ आहात आरअ अतनाइ,
आट लक आहात घेराइ
एकटा गउल घेरा बनाइ

आर 'बिहान' एराकर प्रकाशित कबिता संग्रह हेकेइन। 'भिनसरिआ' किताब अप्रकाशित आहेइक।

मोबाइल : 9771323884

दुनिआक मालिक

दिन सगर केरिआ बादेइर, पानिइं भरल,
संगे हुर हुरिआ बासात।
जानलाक फांके आइह बसि हुलकि हुलकि
फिसिर फिसिर पानि,
घड़ि घनटा गनि
घास पात हिलेक डुलेक आपन खुसि मने
डहर बाट कादा कांचा पाकल गिरत फर
पांइख पांखुड़ गिरि मरत पथरत
कांहुनि साड़ा, डहरे चलत नि लक,
टांइड़ टिकड़ हिंआ हुंआ जाहां ताहां पानि।
डाकत बेंग, जाहां आहेइक पानि
चालत पांखि झाड़त पांइख, खजत पानि।
डागर डागर गाछ गिरेक कुआं, बांध जाइक उछलि उछलि
घाटेक पाथर गेला डुबि, दिन सगर गरु बाछुर रहला घारे।
गहाइल भितरे भुखे गागात,
जुटेन नि आउड़-पउंआर।
भिंजि भिंजि मइनअ कउआ
इ डाइर उ डाइर हेत पिपर तरे धेनु आहि डांड़ाइ
चिहड़ेक घंङ अड़हि चासा जाइ कुदि कुदि।
आइड़कर छेंदा मुंदि, कांपेइ जाड़े
घार घुरि हांथ डुबेक डुभा भरि माड़े।
भालि देखं बाहेइर बाटे -
थिराइ नि मन भाभअ घने घने
राइत आहेइक, निंद नि आउएक,
गतर आहि, मन निहिं

मनेक काथा बुझा दाइ
देखिके गेलं चकाइ
बुझि देखा पंडित गुनिराइ।

बिधिक लिला बुझा दाइ
दुइ राग सअ भाइ,
सभेकर गड़ लाल रंगाइ
जिउ सभेकर एके खातांइ,
बिर रहत सभेकाइ
देखिके गेलं अकबकाइ,
बुझि देखा पंडित गुनिराइ।

कहे सासतर

दिन सगर घुरि फेरि, भिखारि उदिन
नि पारअल जुटाउए खुदि कुंड़हा कनअठिन।
भुखल पिआस मेड़िआल सांझुइं
आइके गबचल हामर पिंड़हांइ
काहुं नि पाउलं ठांइ आउलं हिआंइ
काहांक अजाना अचिना बाहरांइ तंइ।
तर बेटा चर जिउए किना नेखउ डर?
आचमका सामाले आंधार मर
डरे भिखारि कांपे कांपे थर थर
भाभे भिखारि अंतरे अंतर।
खजनि पानि पिंड़हा राइत सगर
घार तर भगबान कहे मर।
जिब जगतेक सेबा, भगबानेक सेबा,
नरेक मन नाराइअन, जाने कन जन।
उमड़ल बादेइर, सुनि अनाइ भिखारि रदना
हांथ जड़अ करि करुना कहेइ भुल हेलाहि मर,
आंइखे बहे गंगा, बहे लर ढर ढर।
जिबेक उबगारे, जिउएक जाकर डर
भगबान सहाइ अकर कहे सासतर।

दुनिआक सब मिछाइ समन?
एहे उठअं एहे बसअ एहे गित गाउअं
किना गित काकर गित?
कन सुरे काकर किना गित गाउअं
किना भाभम अकर निआन?
जानेइ सब आहि -
अहे लागे दुनिआक मालिक।

दसर जनाक कहना,
तर जदि हेथु पांचटि नातिन,
आगु पेछु संसना करबे किना?

बरपन

घारे डागर बेटा देबेइं बिहा,
लाज किना? पन पानिक काथांइ
पड़हा लिखांइ खरचा बिसुम,
टिउसन फिस किना कम?

नहे केरिआ, साफा इजरअ,
देखे सुने सभे गुने भालअ।
एकर हंते लागतउ नि कनअ
लेखा पड़हांइ एम. ए. बि-एड।

आपन खुसिंइ आलमारि सफासेट,
आगुआ पेछुआके देबेइं कहि।
जतने राखे आपने देता फिरिज।
खजे नि हेति रंगिन टि. भि.
उटा तअ अकर बेटिक
सना गहना देइ नि हेतेइ सांगि,
खालि फुलेक माला चाहि,
दुख बिपदे असमइए लागतेइ काम,
ठाथिरहा मुड़े संचि देखा।

जामाइ किना जात चलि कामे
हिरउ हंडा लागतेइक एकर संगे।
बेटाक नामे निलेलाहं जमि,
नि बनाउलाइह कठा घार।
बनाइ देतेक दालान घार,
हेतेक धार निअर देना,
ताहं तअ बेटि हेतेइक पार।
बरेक बापेक काथा सुनि अनाइ



गनेसर महतो 'बँसरिआर'

बाप- मरताहार बिरंचि महतो।
माञ- सिरिमति सहचरि महतो।
गुसटि- बंसरिआर
जनम तारिख - 03.06.1954
गाँव- दुधकुंडि (पिरूडिह)
डाकघर- चेनपुर
थाना- चकरधरपुर
जिला- प. सिंहभूम (झारखण्ड)

एराक पढ़ाइ सुरू राजकीय बुनियादी विद्यालय चैनपुर प. सिंहभूम ले हेल रहेइन। 1971 साले मारवाड़ी प्लस 2 उच्च विद्यालय चक्रधरपुर ले हायर सेकेण्ड्री पास करला। 1977 साले बी.ए. पास करला (के.एस कॉलेज सराइकेला)। इतिहास बिसय 1980 साले राँची विश्वद्यिालय ले एम. ए. पास करला। एकर आघुएइ 1974 साले बी.टी. ट्रेनिंग करल रहत। 1976 साले राजकीय मध्य विद्यालय कुमिरता (कुमार डुंगी सिंहभूम) ले सरकारी नकरि सुरू करला।

एरा माञ भाखि आर समाज दरअदि हेकत। आपन कसनिञ 'कबिता' आर 'लेख' लिखहत। एराक माञ भाखिञ कए एक लगेक संगे मिलि मेसि कएकटाए किताब प्रकाशित हेलाहेइन। माञ भाखिक परअचार-परअसारे एरा पुरा झारखंड घुरलाहत। एरा मुलकि कुड़मालि भाखि बाएसिक सक्रियइअ सदइसअ हेकत। 'झारखण्डी भाषा साहित्य संस्कृति अखड़ा' बाटे ले 2010 साले आखड़ा सम्मान पाउअल आहात।

भाइ भाइ

हामरा सभेकाइ,
लागिअ एके भाइ।
ना करिहा लड़ाइ,
तबेइ रहति देसेक बड़ाइ।
देसेक लागि सभेकाइ,
निजेके देहाह बिलाइ।
आदिबासि हरिजन भाइ,
तरा लागिहा हामर भाइ।
मिलि मिसि सभेकाइ,
काम करि जाब देसेक लाइ।
किना आर कहबन भाइ,
बुझि सुझि चला भाइ।
कुड़मि, कुमहार, कइरि भाइ,
तराउ लागिहा निजेक भाइ।
सभेकर भारत माइं,
नाम करता सभेकाइ।
हामर आर कनअ कहेक नाइं,
मिलिमिसि रहा भाइ।

धुँगा

हेउक हुम कर आइग
चाहे मड़ा कर आइग।
धुँगा कर बरन,
सभे ठिन एके रहेइक।। 1।।

चाहे आसअरें परदिप बरअ
चाहे ससाने जरअ
सेलता कर आलअ
सभे ठिन एके रहेइक।। 2।।

चाहे धनि कर लर,
चाहे भुखा कर झर।
लर-झर दुइअ कर,
सभे ठिन एके रहेइक।। 3।।

चाहे रहे मानुस महअलें,
चाहे रहे हड़ झपअड़ें।
निसा कर चाइल
सभे ठिन एके रहेइक।। 4।।

चाहे काँटा रहअ पिंदाड़े,
चाहे रहअ बन बादाड़ें।
अकर गुन, धरम-करम,
सभे ठिन एके रहेइक ।। 5 ।।

एरा समाजेक जानल-चिनहल नामि करमि हेकत। एरा "आदिवासी कुड़मि समाजेक" केन्द्रीय कमिटिक सदइसअ आहात। संगे संगे झारखण्ड कुड़मालि भासा विकास परिषूद आसन तलिआक अध्यक्ष आर कला संस्कृति विकास केन्द्र आसन तलिआक उपाध्यक्ष हेकत। चक्रधरपुर शहीद निर्मल महतो कुड़मि भवन बनाएक माहन एराक विशेष भूमिका आहेइन। एरा हालुक कुड़मालिक जानल-चिनहल लेखक आर कबि हेकत। एरा कुड़मालि कबिताक मंथन करि सभे रसेक निमुँदे देखाल आहात। इटा एराक विशेष दॉजेइआ नेजेइर।

बेथा

किना कहम? मञ आहँ कतेक बेजारें,
बेथा के जानाउहन एहे आसअरें।
लके अनाउअत मञ सुनाउहेन,
दुनिआक गिलिन के पास टानेहेन।। 1।।

बानार कने केइसन अनाउएइ,
कहे (बाचि) नि पारअँ हिआ बिदरेइ।
केउ पाउआत नि, जेञ पुछेइ इ बारें
जाहिस काहाँ तञ? कन देसानतरें ।। 2।।

आहिसता-आहिसता सभे छिनगल,
चिनहाप-जानाप कर सुख बिसरल।
टुअर हेलँ, सभे नाता गताञ,
एकाइ छिनगाइ डिडिआल बसुमाताञ ।। 3।।

सुकरअ तारिआ चमके बेजाञ,
तारिआराक गठ माझारें।
रुप जुआनि रुपसि नारि,
मलके बेजाञ आखड़ा सारें ।। 4।।

मेनेक आइग कर घारे आइग रहेइक,
सलगइते थाकेइक, किछु नि कहेइक।
आइग मर हिआञ सामालि किना लागि?
कने जानेइ काहाँ ले आउअलाहि? ।। 5।।

चाहे गिरहसति कर हेउक,
चाहे बइरागि कर हेउक।
थका कर निंद,
सभे ठिन एके रहेइक ।। 6 ।।

चाहे कहल बा नि कहल जाइक
एखन धरम पथे चलेक आहेइक
सदाइ साँचा डहर,
सभे ठिन एके रहेइक ।। 7 ।।

पानिक ठपा

मञ तअ पानिक ठपा जेसन,
मेनतुक, तहरा तअ समुंदर लेखन।
कबे ले हेराइ उधमहँअ दिकें-दिकें,
तहर संगे टाटका साइखात करेके ।। 1।।

कँड़हि फुल जेइसन कहेके,
उटुल- पुटुल आहँ फुटेके।
मञ तअ गड धुरा पथे कर,
तहरा हेलेहे जगअतेक इसअर ।। 2।।

एहे मरनाहा दुनिआ, माइआ कर,
बेजाञ महअड़ा आहेइन जिउकर।
सभे जिउएक महड़ा कर,
पाँता आइइन सुख दुःख कर ।। 3।।

मञ तअ दुखेक जालाञ फाँसअलाहँ,
मेनतुक तहरा बिराजि बड़अ- पाहाड़े बेसल।
मन करेइ छन-छन आर किना करअम?
जिअंत जिबने लागेइ एहे मरअम ।। 4 ।।

सेंसे इसाराञ किछु करि ले कहल,
जर जनअम बिधिक देउअल।
बेरथाइ ना करे मन बिकल
आसा राखें निसटाइ आउतउ सुख छल-छल।। 5।।

नाना बरअनेक ढेउ उठे हेइक सागअरे,
मेनेक, नेजेइर फेरि जाइस डरें।
हिआञ आइग लहकेइ के जान कन लहअरे
बकता नि कहम केसे कन बहअरें ।। 6 ।।

अगनति फिकिरें बसअलाहँ आसअरे,
पुछत नि केउ जाम कन डहरें।
गात कर किना काथा, मने आहि बेजाञ बेथा
सतअखन मन करेइ, गुचाइ देबेञ जिबन गाथा।। 7 ।।



रतन कुमार महतो 'सत्यार्थी'

कबिक जनम सिल्ली थाना, राँची जिलाक किता गाँउए। इसकुल रेकर्ड हिंसाबे जनम तारिख 06/06/1957। बापेक नाम श्री लोबिन महतो (सेवानिबरित हेडमास्टर, समाजसेबी, बरिस्ठ आनन्द मार्गी) एराक गुस्टि सांखवार। एराक परिबार साधारण किसान परिबार तबे बापरा मास्टर रहत अहे माहान बिद्दा अरजने विशेष झंक रहेन आर आगुबाटे बाढ़ेक सुजोगअ। एराक आजिक आमअले परिबार टा संजुक्त परिवार रहेइक। पूरा परिबार के आगु बाढ़ाएक माहान एराक आजिकर बेजाञ कसनि रहेइक।

कबिक पढ़ाइ किता लेइ 1961 साले। अहे बछर हिंआं इसकुल शुरू हेल रहेइक। कबि थड़ेक दिन लोटा इसकुल आर ग्राम विकास इसकुल सिल्लिञ पढ़ल रहअत तबे आसल पढ़ाइ आनन्द मार्ग हाइ इसकुल आनन्द नगर (बागलता) जिला-पुरलिया (प. बांगाल) ले करल रहत। एरा तेज छउवा रहत- क्लासे प्रथम स्थान पाउए हेला। 1974 साले हाएर सेकेनडरी फार्स्ट डिविजने पास करल रहत। आगुक पढ़ाइ करेलाइ एरा - मेदनीपुर (कलिकाता विश्व विदूयालेक अधीन) गेला- आर 1979 ए भौतिक विज्ञाने (प्रतिष्ठा) बी. एस.सी. पास करला। 1982 साले भारत मौसम विज्ञान विभागे चाकरी धरला- आर एखनअ अहे विभगे इ सहायक मौसम बैज्ञानिक आहात। बर्तमाने राँची एयारपोर्टे एराक पोस्टिंग आहेन। पढ़ेक चेसटा पूरा रहेन सेइमाहान राँची विश्व विदूयालय ले चाकरी जीवनेइ भौतिक विज्ञाने एम. एस.सी. पास करला।

माञ भाखिक टान इसकुल जिबन लेइ रहेन तबे तखन कनऽ रचना करे नि पारला। चाकरी जिबने माञभखिक उपर कलम चलालेथिक- एरा आपन हिंसाबे कबिता रचना करला- कुड़माली क्षेत्र ले बाहेइरे रइके।

मन के थिर करा

हिआ के आतुर ना करा,
मन के थिर करा।
सभे आपन ठाञ ठहर करा,
फेइर तहरा जाहा करा ।। 1।।

सभे जिउ के संग करा,
दुर निहिं पास करा।
सदाइ मने भालअ भाभ भरा,
फेइर तहरा जाहा करा ।। 2।।

कबउ पाँचा निहिं बितअल के,
हारा निहिं जितअल के।
समइ संग लड़ाइ ना करा,
फेइर तहरा जाहा करा ।। 3।।

राइत कर गपन- सपअन,
बिहान कबउ नि हेइक आपन।
रजेइ हेउए हेइक एसन,
बेगारे तहर केथिक कांदन ।। 4।।

आकास कबउ नउएक नि,
समइ कबउ थामेक नि।
डराइ-डराइ ना मरा,
मन के थिर करा ।। 5।।

प्रेम तिनकन

दनाक प्रेम सेतिआञ
टेनाक नाहिं थान
भीतऽरे भीतऽरे बहेय
सरसती जेसन
संगमऽ परेआग माहान।

मातरऽ एक तालवाइरेक
एक खाँचे थान
तिरिया बिराजे जेसन
पियाकऽ अनतर माहान।

पिरीत गगने उड़ेइया जड़ा
सउबखन उड़उत आलमेलान
टेनाक आवने कखनऽ
ना हउक ठेक-ठेकान

समानानतर दूइ रेखाय
नउवा छन्द नाउवा हिल्लाइं
अन्तऽ हीन दिगन्ते
करउत गमन
निजाँचन टेनाक भिड़ऽने
कखनउ ना बनउक
प्रेम तिनकन।

शब्दार्थ : दना= दो, टेना =तीन, थान= स्नान, परयाग=प्रयाग, प्रेम तिनकन =प्रेम त्रिकोण, आलमेलान = पूर्ण स्वतंत्रता के साथ, ठेकान = व्यवधान। निजाँयन- अजांचित।

विशेषकाथा तखन एराक कनऽ कुड़माली सहित पढ़ेकर मकाउ नि रहेइन। एराक पेहिल कुड़माली कबिता 'राँची एक्सप्रेस' ए छापल रहेइन- एरा बेजाइं रिझे हेलरहत आर कबिताक लाइन बाड़तेइ चललेइक। एराक अप्रकाशित कबिता हाला मधुमंजरी आर मधु-मंजूषा प्रकाशित हेउएक अपेखाञ आहेइक। कुड़मलिक बाहिरे एरा हिन्दी आर ऐंगरेजिञअ कबिता आर लेख लिखल आहात। एराक कुड़मालि कबिताक प्रसारण आकाशवाणी राँची ले हेल आहेइन- तीनअ भाखिञ एखन रचना चलेइत आहेइन।

कबि ग्राम्य आर शहरी दुइअ परिवेशे बाढ़ल आहात सेइ माहान एराक कबिताञ ग्राम्य छाप छाड़ा शहरी छापअ देखल जाइक। अन्य भाषाक आधुनिक साहित्य संगे एराक परिचय यथोचित आहेइन कारनेइ आधुनिकताक छाप कबिताञ झलकेइक। इसकुल जिबन लेइ एराक परिचय वृहत आनन्द मार्ग समाज संग, कारनेइ अभिज्ञताक विशेष लाभ पाउअल आहात। परिभरमण हिसांबे देश टाक सब कोना एरा देखल आहात.. केरल ले काशमीर तक आर कच्छ ले कामख्या तक। आनन्द मार्गी जिबन धाराइ एराक जिबनेक धारा ... एरा आध्यात्मिक आर नीतिवादी जीवन धाराक पृष्ठपोषक। एराक जिबन सीधा- सरल तेजस्विता आर साधुताञ जबड़ल। 'सइतअ' डहरे चलन एराक जिबन धाराक उद्देश्य, सइतअ अर्थात् आनन्दघन सत्‌चित आनन्द के बुझेक-जानेक आर पाउएक खाखुस सेई कारनेइ "सत्यार्थी" उपनाम मुल नाम संग युक्तअ।

कबिक विचारे भाखि, भाभ भाभनाके व्यक्त करेक माध्यम कारअनेइ समाजेक घटल घटना बा संभावित घटना के स्थान, काल, पात्र, समाज निरबिसेसे कागज-कलमें चाहे वाणिञ रूप लेइ पारेइक। कबिता धारा बा साहित धारा जेतना आगु बाटे जातेइक 'लोक' ले शिष्टअ भाभ झलकतेइक इटा स्वाभाविक नियम जेसन बहेइता नदिक पानी बहते-बहते काजर नियार साफा हेइक। कविक लिखल किताब सह लेखक हिंसाबे- 1. रघुनाथ माहतअ 'विद्रोही दि ग्रेट' 2. इतिहास पुरुष : शहीद रघुनाथ महतो

एराक कबिता- कुड़मालि, मानभूम लोक संस्कृति भक्त समाज, प्रउत हेन-तेन पत्रिकाए प्रकाशित हेल आहेइन-हेते आहेइन।

बनि गेल
बाँड़ि बुरू-बोंगा बुरू राढु -काँचि
बेचाराक नामऽ भुलि गेल
हाय बन्धु! केइसनऽ
समय आविगेल।
कलियुगे केइसन केइसन
हाउवा बहि गेल।

माञ बापेक दादा, भाइएक
पिरीत रहेइक बेड़े जऽरेक
बिहा हेलेइ बड़ऽ दादाञ
दारून दागा देल
धार- बइहार बाँध- बन
भउजिक नामे लिखाइ लेल
भउजि रानी भेल सियानी
रहिअ जतेइक देवर- देवरानी
संगे साधेक बाप-माञ जननी
सउब के रांगा माटिक
डहर देखाए देल
हाय बन्धु! केइसनऽ
समय आवि गेल

हिपी कॉट, बॉब कॉट
रकऽमारि चुइलेक छाँट
छाउवि गेलेइक गाँव- शहर
नगर-डगर बाजार- हाट
जिन्स- जिन्स छाउवि गेलेइक
मुलुकटाञ

केइसनऽ समय आविगेल

कलियुगे केइसन केइसन
हाउवा बहि गेल
हाय बन्धु! केइसनऽ
समय आविगेल!

आसाड़ऽ सरावन मासे
जल नाहिँ खेते गठे
रांञ रांञ धुरा उड़े
सबरनाखा-साहेब बाँधे
पानीक आसाञ बादेइर टाके
देखि- देखि आँखि माहान
लऽ र भरि गेल
हाय बन्धु! केइसनऽ
समय आवि गेल!

छल कपट 'नोटेएक' जऽरे
सबल पारटी मनेक मतऽ
भट भरे
सिधा-साधा आसल नेता
छाँकाइ- छुँकुंइ
डांगाञ उठि गेल
रामेसर 'हार फार कदाइरेक जय'
कहऽते रहिगेल
बिधान सभा जात काहाँ ?
भाट, पुँजिपतिक मुदेइ

डर

नारी घटितऽ बेपार
मर नितऽ मार
घटऽनाक सार

झक-झक तेइआर
पेतिद्वन्दीग तालवाइर
निमिषे करे खारछार

नाहिँ बुझि अइनथाइ
अबसाथाक बेवसथाञ
देलेञ - 'ट्रिगर' दाबाय

भीषण चितकार!
आह! आर्तऽनाद
ढुकि जाय बुलेट माझ कालेजाञ

रकअते रकऽत
मुँहे तत-तत
पराण लेवेइआ माटिञ लेटाइ

नयाने आंगार
हाँथे हाँथिआर
पेतिद्वन्दी मिन्तुक प्रतिशोधे निरूपाय

अगुवा- पेछुआक काम नाञ
पात्र-पात्री खजा किना दरकार?
बिहाक आघु 'कदम तलाञ'
बर- बधुक नयानऽ मिलि गेल
मोबाइल, मोबाइले संदेश
मन गगने भेदि गेल
लएला- मजनु इतिहासेक पातरऽ
आइज मिन्तुक, डेगे डेगे मिलिगेल
हाय बन्धु! केइसनऽ समय आउविगेल
कलियुगे केइसन केइसन
हाउवा बाहि गेल ?

लड़ेक बेराञ लड़ला बेजाञ
लड़ाइ शेंषे गेला हेजाय
भेक-सेनानी भरला खेजाञ
आसल राक पांइते नाम नाञ
'आइज आघु-पेछुक कायदाञ
भरल गिलट सनाक-बाजार
गलि खाउवआक भाइगऽ
सबरनाखञ गेलेइक बहाय,
नेताक पेछुञ जेञ निचलल
सुपारिसेक अकर नेखेइक उपाय
दाउवा करले पुलिस लेगे थानाञ
ढँगी-सेनानि आड़े-आड़े थानाञ
पाउएक पाउना पाउता कांहां
बिना दऽसे जेहेल चलि गेल
हाय बन्धु! केइसनऽ समय अविगेल!
कलियुगे कइसन-कइसन हाउवा बहि गेल!

मुदेय जमाना पड़ोसेइ थाना
डर हामेशा पुलिसेक हाना
निज आस्ताना

निरब बिजन भीतर बने
गुफा माहान सिंहऽ समाने
करिलेलँ मञ 'स्वयंगोपना'

गाछेक छाँहे राइत आँधारे
भय माझारे निराहारे
जिबन काटँअ चिन्तासारे

हत्यारा मन आठऽ पहर
देखि पाउवे छवि रूप नागरा
खड़ग हाँथे खून पिआसा

सर-सरे-सर हाउवाक ताले
पात खड़के रब- निरबे
आर डरे डरे मञ डरि जावँ छांहाकऽ डऽरे

शब्दार्थ- पेतिद्वन्दी -प्रतिद्वन्दी
काजरी- बार बधु के अर्थ में
स्वयंगोपना- स्वयं को छिपाना
रूपनागरा- प्रेमी, रूपपुजारी, प्रेमरसिक
शिखा- दीपशिखा

खनेइ स्तब्ध रब
नयन पाथर
काजरि गतर भये थर- थर

द्वन्द मुले नारी
समर युइद्ये भारी
मिन्तुक नारी रूपे माते नर आहामरि!

"जिबन मुइलअ तृण तुइलअ"
भाभे रूप पुजारी रूप सागरे
जउबन जउबारे-प्रेम बाजारे

प्रेमेक भाषाञ
काजरि आर कलि- अनार
उन्नीसे बिस शिखाक तुलनाञ

पेति द्वन्दी कहे काजरि मर
मिन्तुक इंगिते नाहिँ काजरि- काजर
मऽर उततर 'जमीन-जोरू जाकर जऽर'

खनेक परेइ द्वन्द तरे
मुखामुखि दुई योद्धा
कोठा माहान रूप नगऽरे।

घटऽनाक पर मनऽदशा मऽर
'जउआर जबर'
लहऽरि उठे हेंठले उपर

मानब सउवारथी निषपरयोजन
घटाय कारबन उलगन
परदुषे वायु थल जल
हरे मानव इतर जिवेकजिवन
एहेनऽ कारन
ऋतु करऽ भाई अनियमे चलन।

मानुष! माना बिधाताक नियम
अकारण न करा लता जिब
उदभिदेक प्राण- हरण
मानब लागि मानव मनेक काँदन
'मानवतावाद' एक कारण

मानुष संग जिब गाछ लतेकप्रेम
'नव्य मानवतावाद' एक बाँधन
विवेकी हउआ घड़िक परयोजन
हउक तबे नव्य मानवतावादेक पालन
उल्लसित मधु सुरभित रहतेइक
स्रस्टाक सिज्जल विश्व कानन

करे सइमक जिबन रकखन
'चरम लइक्ख' पाने गमन
चाइरऽ पासेक जगतेक
सुसंतुलन परयोजन
करियऽ हामराउ नाइजअ
'माहाजन पनथाञ' गमन
निहेतेइक कनऽ अजाँचन
अप्रिय घटऽनाक घटन।

असमये जल बरसन

असमये पानिक किना परयोजन?
चाहि जखन परखर रउदेक
दाहन - जलन
काहे तखन सँपड़िकन
निरन मासे जलेक बरसन ?

अजाँचन घटऽनाक घटन
भविषत अशुभ कर
पसटअ लकखन
हेय पारेइक इबारअ आषाड़े।
हेप इन्द्र देवाताक 'को-पभाजन'

शाश्वत नियमेंक अनियमन
अप्रीतिकर मिन्तुक नाहिँ अकारण
मानुष आमान्ये जखन
अन्तऽरेक विवेक वचन
सउवारथे आँइख मूँदि काटे वन
नाशे परियावरण।
नाना उपाइये प्रकृति तखन
संरक्खे निजऽ भार संतुलन।

मानुष लागि बिधाताक सिज्जन
जतेइक अनअग्रसर जीब लत-पत
फर- फुल गाछ- गाछड़ा
नदि- बुरू स्थावर जंगम
वायुमंडल- जलमंडल परान्तर श्यामल
पारिजात शोभित नन्दन-कानन

मुकति लहर

लहाक आवरन रूसेक भीतर
'ग्लासनोस्त' आर 'पुनरगठन'
'गेरेट उवाल' चीनेक भीतरेउ
लोकतनतर बहालि छात्र आनदोलन
विश्व जोड़ि जे दारून आलोड़न
मुकति मुखर जन-गन सचेतन।

जाँहाँ नाहि जुकति
सर, चाहि मुकति! चाहि मुकति!
चाहि स्वाधीनता!
आलमेलान साधीनता!

टुटउक जतेइक बेड़ि बाँधन
कृत्रिम जाल मनेक छाँदन
सतनतर मन भगवत सिजजन
परिहासेक विसय मानुस करे
ताकर उपर लेपन
'इजम' रूपी कृत्रिम रंग आस्तरण।

दिग-दिगन्तऽ निल गगन
परखर जखन जन-मन चेतन
सवबमुखी बेसटि सतनतरताक हरण
आरऽ कि करे पारे
कनऽ गुसटि कनऽ जन?

संदेश

बाहरी शक्ति प्रभावे बरलिन विभाजन
पूरूबे साम्यवादी पच्छिमे मारकिनी चलन
अजब! मिन्तुक सइतअ घटन
एक हेलेइक पूरूब आर पच्छिम जरमन

रकऽतेक बाँधन अटुट बाँधन
मिलन लालसा माने न छाँदन
मदेक मातलामी टेके कतेइखन
निसा भांगलेय भुलेक बुझन।

पाँचिरे थापल गाँइठाक हेइकछड़न
कुटिल भेदा-भेदि बुद्धिक 'निश्चित पतन'
समय सिराले 'डिभाइड एण्ड रूलेकर'
अतल समुनदरे बिसरजन।

जखन मिलेइक भाई संग भाईएक सँचन
आरोपित कृत्रिमताक हेलेइक बरजन
विभाजक 'कंकीट भीत' एक
हेय गेलेइक माटिञ लेटन,

हतऽ भागा देश आपन
भाई के चिनहे नाहि भाइएक नयन
छुद्र सउवारथे भाँजे घारेक भाँगन
आर नेउते आपन संग सभेक मरन

भाई ! इंगिते जारमान एकीकरण
मान-गुमाने बाँचे दिढ़ऽ एइकऽ अतिपरयोजन।



डॉ. वृंदावन महतो

काँची नेदिक धाइरे तामाड़ थानाक भितरे बादला गाउएँ तारिख 1 जनुअरि 1958 साले एकटा साधारण चासा घारे कबिक जनम हेले रहेइक बापेक नाम खेत्र मोहन महतो आर माएक नाम लिलाबती देबी हेकेइक। घारेक बड़अ छउआ हेउआएँ घारेक काम काजेक दाए-भार चेतना, छउआ बेरालेइ जागलेइक। पढ़ेक खांखुस बेजाञ रहेइक सेइ माहान गाउएँक इसकुले कम उमेइरे पढ़े गेला। तीन केलास पास करल बादे नावाडीह मिडिल इसकुले भरती हेला आर मिडिल पासेक बादे नावाडीह प्रस्तावित हाइ इसकुल गेला। पढ़ाइ बेराएँ भाइ- बेहिन कर जनम हेल कारनेइ माएँ काम उधम नि परेइत रहि। तखन इसकुल कर फीस 2.50 पैसा मिडिल इसकुले आर 4.50 पैसा हाइ इसकुले फिस भरेक जालाएँ गाँउ ले बुण्डू 7 कि.मी. पैदल जाएके चाउर बेचि पैसा आने हेला आर फिस भरें हेला।

कवि कर काका-फुफाक छउआ गिलाक राँची माहान रहि पढ़ल देखि मने बेजाञ खांखुस हेलेंइन जे मएअं राँची माहान पढ़म। बाप हारिञ अति कसटे मेट्रिक (1976) पास करल बादे राँची माहान पढ़ाएक बेवसथा करला। आई कॉम 1978 साले योगदा सत्संग महाविद्‌यालय ले पास करला आर बी. कॉम 1980 साले गोस्सनर कॉलेज राँची ले पास करला ताकर बादे जखन जनजातीय क्षेत्रीय भाषा विभाग राँची विश्वविद्यालय राँची इसथापना हेलेइक ताकर प्रथम बेचेक कुड़मालि विषय कर छात्र हेला। 1985 साले एम.ए. कुड़मालि पास करला। माञ भाखिके प्रतिष्ठित काराक टाने कबिञ डॉ. रामदयाल मुण्डाक देख रेख माहान 1987 साले कुड़मालिञ पी.एच.डी. करला।

मारवाड़ी कॉलेज राँची माहान कुड़मालि पढ़ाएक तेहे 1986 साले

घारे, बाइहरे जे रंगे जे रूपे
बिराजमान उतपिड़न सोसन
जतेइक मानऽवता विरोधी चलन
हउक सउबकर माटिञ पतन

नाउवा रूपे दढ़ऽ हउक भुवन
मानव लागि मानव-पिरित बाँधन
निज सउवारथे केउ कनअ खन
करउकना गनडी-मानवता लाँघन।

मका पाउला। मात्र भाखिक सेवाक खातिर राइत दिन लागि पड़ला। जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा कर शिक्षक के बाहाली करेक आर पद सृजन करेक खातिर विराट आन्दोलन करलां आइज एहे आन्दोलन कर तासिले 50 शिक्षक जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाक नाना कॉलेज (राँची विश्वविद्यालय एकीकृत) बेआखाता हेल आहात।

कबिक भासा चेतना संगे-संगे समाज चेतना टाउ प्रखर रहेइन, कारनेइ आदिवासी कुड़मी समाजेक सक्रिय सदस्य हेला। बंगाल उड़ीसा झारखंड जाहाँ-जाहाँ समाजेक मिटिंग हेलेइक ताहाँ-ताहाँ नव उल्लासे पहँचला। कबि भाखि चारिक कएटा संगठनेक सदस्य हेला जेसन आंचलिक भाषा विकास समिति, झारखण्डी भासा साहित्य संस्कृति "अखड़ा" हेन तेन। कुड़मालि भासाक लेइ के मैसूर, बड़ौदा, श्रीनगर हेन तेन सेमिनारे भाग लेला आर 'पेपर' प्रस्तुत करला। कबिञ हालुक काले मारवाड़ी कॉलेजेक कुड़मालि विभागेक संगे-संगे जनजातीय एवं क्षेत्रीय भासा विभाग पी.जी. माहनउ पढ़ाथिनला। एराक देख रेख माहान कए एकटा छाउआएँ पी.एच.डी. करतला।

कबिक प्रकाशित ग्रंथः 1. कुड़मालि लक कथा, 2. कुड़मालि लक-गीत, 3. कुड़मालि छितराल (प्रकीर्ण) साहित, 4. चासिक हाल (समपादित नाटक), 5. सति-सुलोचना (समपादित), 6. ज्ञान माला (समपादित)।

बर्तमाने कबि भाखि-चारिक सेवाएँ तन-मन-धने समर्पित आहात।

भादर एकादसिक राइते

भादर एकादसिक राइते,
करम आखड़ाएँ बसि लगेक पांइते।
थड़ेक चिनहाप थड़ेक अजाने
सेइ मड़ मधु बने।

बिजए माहतअक नाना गितेक सुरे,
अचिंतअक ढल- धमसाक गुरू गंभिर ताले।
नाच लागेइक घेर घेट उठिने,
सेइ मड़ मधुबने।

तारेआक माझे भुकचुँदि जरे,
कखनअ आलअ कखनअ आँधारे।
सिंपअते थिथांए मर नएने,
सेइ मड़ मधुबने।

थिर पानिञ ढेलका मारा,
झिमझिमालेइक गात तरंग पारा।
भुलाले नि भुलाइक इ जिबने,
सेइ मड़ मधुबने।

घार ले बेजाञ धुरे,
केसे जाम फिरे
मनअ जे मने जाने
देखि भाइ पेरेम नएने
सेइ मड़ मधुबने

पेरेम सुताञ भाँउरा घुरे,
मधुबन ले रिचिक धुरे,
कतेक रागे बेआकुल मने
सेइ मड़ मधुबने।

चाइर नंबर राजपाड़ा पखइरे
भिड़ेक भितर खजे नेजेइरे
देखा नि हेले साद रहि जाति मने
सेइ मड़ मधुबने।

फुलेक पासेइ मधु बसे,
सिरसिराइक गात रसे रसे
काथा नि मुँहे बेआकुल मने
सेइ मड़ मधुबने।

फुल मधुक पेरेमे,
जुग-जुगांतर धरअमे।
पाए अके निगेल आर कनअ बागाने,
सेइ मड़ मधुबने।

बेथा

बसल आहँ निझुम मने
नचाउ चँथाए सिराल खने।

गहना- गाँठि भरल रहत गटा गाते,
जेंए जेसन नचि लेला धुरा देला भाते।

घुरेइत रहत सिआर हाड़गा तितिर मेजुर
पेट भरि खाइत रहत डाइरे बसि खेजुर।

कँदे ले आउला मुड़ काटा, देला मुँड काटि,
खेदलेथिन मर धिआ के लागाला निजेक कुलुप काठि।

काँकन, बाजु, बिछिआ, सभे लेला नचि
मान धरम गेलेइक, ताउ धिआक लागि आँह बाँचि

कतेक दिने घुरि आउला साधेक छउआ मर,
हाथ-गड़ खाड़ाँए सुतल आहँ गाते आहि जर।

मर छउआएँ निजेक घारे चिनहे नि पारला मके,
सेइतिन भाला डाँड़ाल आहि साफ सुथराक दंके।

सुतल बेहिन मर उठाए देला भुञ फाड़ि के
दुइअ बेहिने टकटकि लागाए देखिह मुँह फाड़ि के

चाइर गाँड़ा छउआ जनमाइन ताउ रहि बुता,
आइज कालुक जेनिञ एकटा जनमाले कनअ नि छुता।

गात सरअबरअ रहेइत रहेइक चाइरअ बाटे हाल
आइज गात सुखलेइक हाड़ हेलेइक, जिउएक हेलेइक काल।

आउएइस सिआर हे हुसिआर

नलेइस, जखेइस, ताकेइस फाँड़ेइस,
चलल आहे लेंज आलगाए,
बाघेक निआर।
आउएइस सिआर हे हुसिआर।

जिउ लक-पक सेंप ढँकेइस,
बाघेक हुँड़ा पासेइ घुरेइस,
मने भाभेइस, पाउलेइ,
देबेंइ हाँस निआर
आउएइस सिआर.................

बन-जंगलेक राजाँए करलेइक
देउआन,
मालिक हेकउ बाकि आहात अगेआन
राजाक आड़े खाइस
गाछेक पिआर
आउएइस सिआर............

खिरा- तिरा सभे हुँड़िआतेइन
साँढ़ा- आँड़ा सभे धरतेइन
नझञ हेइत के
भिनसार,
आउएइस सिआर..........

सताक अर?

खाटि-खाटि माटिञ जाइस
गाड़हा ढड़हा दुइअ भरेइस।
हँ रे भाइ-सँअत रे भाइ
ससअगड़ाक अर ताउ नि पाउएइस।

बाँटि, बाँटि बाटि खिआइस,
हाँड़िक भात ताउ नि सिराइस
हँ रे भाइ, सँअत रे भाइ
ससअगड़ाक अर ताउ नि पाउएइस।

माड़ाए माड़ाए कतेक मेड़िआइस
धिआइक लागि घुञचि गुचाइस,
हँ रे भाइ, सअँत रे भइ
ससअगड़ाक अर ताउ नि पाउएइस।

सते सते सअँत जाइस
डेगे डेगे डङ डेगेइस,
हँ रे भाइ, सअँत रे भाइ
ससअगड़ाक अर ताउ नि पाउएइस।

भाचाक भुचुक भुकचुँदि भुचकेइस
माचक मुचुक मेआँए मुचकेइस,
हँ रे भाइ सअँत रे भाइ
ससअगड़ाक अर ताउ नि पाउएइस।

छिटकाल पानि बाझाल काथा

दंक बिसुम लागेइक बेथा
एक टिपका एक काथा
आउएइक काने गुँथाल गाँथा
भुलाइक सभे नाता गता।
छिटकाल -पानि बाझाल काथा

छिटकअलेइक पानि, सिहरअलेइक गात
बाझाल काथाएँ चाबालेइक दाँत
गिरेइक घुड़मुड़ाए गाछ ले पात
सिराइक मति हेराइक माथा
छिटकाल-पानि बाझाल काथा।

डाँगरेक उपर चट गिरे
लखि घटए धिरे- धिरे
लेबदाल ठेगाँए चेनगा मरे
आपन रागे आपने हेत गुँथा
छिटकाल पानि बाझाल काथा।

फाटे साड़ि फुटे हाँड़ि
गाइर देउआ राँड़ा- राँड़ि
पाँच खाँड़ा हेलेइक बाड़ि
सभेक हेलेइन भिनु खँता
छिटकाल पानि बाझाल काथा

बहुक काथा मांएक बेथा

आसा करे धिआ पुता
भरेइक बाँध बाहराइक पेइन
हेइक छिकछल आर कादा
छिटकाल पानि बाझाल काथा

भाइ- भाइए बेजाइन सलाह
बहु आउएतकेइ हेलेइक जाला
बारह राजपुत तेरह चुलहा,
दइब हेलेइन बुढ़ा बुढ़िञ काहाँ खाता
छिटकाल पानि बाझाल काथा

तर रिझे केउ नि हेत रिझे
तर कसटे सभे हेत रिझे
जाकर घारे ताकर बाहिरे,
नि पुछबअथु जदि नेखउ कनअ बुता
छिटकाल पानि बाझाल काथा

जाइत धरम गेलेइक नाता
हेलेइक खाइक बसि पाँता
डुँड़का धाइरे केउ नि बसता
तिउर करे चलला निजेक धरि काँथा
छिटकाल पानि बाझाल काथा।

जदि कहले गेआनेक काथा
कहि देबथु किताबेक आघुक पाता
काकर संग केसन कहम काथा।
बड़े छटेक नेखेइन कनअ माथा,
छिटकाल पानि बाझाल काथा

काहे रे मन खेपाले कन बाटे

बझा उभाइतके मुड़े,
मर हाथ तर हाथेक उपरे,
झमकाल निआर जानलँ गटा गाते
काहे रे मन खेपाले कन बाटे।

अरअटे- करअटे पुहालँ राइत
भाभहँ देखा हेतेइक कन सांइत,
घुरँअला देखे चाइरअ बाटे
काहे रे मन खेपाले कन बाटे।

चेहरा तर घुरेइकला मने
बेआकुल आइँख देखे घने- घने
भुलँला गटा बाजार हाटे
काहे रे मन खेपाले कन बाटे।

गुँज- गुँज रहउ तर केरिआ चुइल
एक हाथ बेनि ताकर उपरे फुल
मिटिक मारि मुचकि हाँसि दे चलले ठाठे
काहे रे मन खेपाले कन बाटे।

आँचर सरकअलेइक मर उपर हांथे,
मने ठाँड़ा बासात बहलेइक मर गाते,
धरम कहेइत रहँ, साहाँस, नि हेलेइक माझ हाटे
काहे रे मन खेपाले कन बाटे।

पेरूआ आँखि, मेजुर पाँखि
गाते सनअ-पाउडर माखि
जाइस कँदे, देखे पावँ कन घाटे
काहे रे मन खेपाले कन बाटे।

इ बछर राखल आहँ पन
सत करि जाम बृन्दाबन
धरल हाथ छाड़बँ निहि, आउइस जदि सतिघाटे
काहे रे मन खेपाले कन बाटे।

नारि लक्खि

समाजेक धन नारि,
नारि हेला सउब ले भारि।
        जे घारे नारिक अभाब,
        से घारे खाराब सभाब।
नारि बिनु न नर आर न नर बिनु नारि,
सउब जुगे रहल आहात बराबरि।
        नारि लक्खि, नारि शक्ति
        सभेएं करा शक्तिक भक्ति।
जे घारे हेइक नारिक अबहेला,
से घारेक लक डकाखाड़े गेला।
        दुलारी बेटिंञ बहु बनि संसार बसाए,
        पुरूसेक सेवाएं नारायण के पाए।
जे घारे नारि हेत हिन,
से घारे ढुके निते रिन।
        बेटि पढ़ाइहान घारे घार
        सभे मिलि देहाक घेआन।
माएँ बनि एराइ देथिन
धिआ पुता के पेहिल गेआन।
        दहेज ले के बिहा करले जे दिन
        जानले बाप मरलउ सेहे दिन।
भरसा नि त जनमालउ काहे बापे
दहेज लेइ ठेलउ कलंक पापे।
        जे घारे जेनि-मरदेक निते कल-कल,
        से घारेक बतअ धन बहि बाहराइक छल-छल।
नारिक हेउक देबिक निआर सम्मान
सीता-रामे, राधा-किसनअ पेहिल नारिक थान।

माञ-गअ

माञ-गाअ
कातअरे डाकि कहँ
तके,
जनम देके नि भुल करले
मके?
माञ-गअ
कहले! बेजाञ सकति तर
गाते,
सिसटिक आधार तर
हाथे।
तरे लेइ नर नारि,
ताउ!
नारिक ले राइस पुरुसेक भारि।
        सत, तेरेता दापर
        देखले, त माञ किना
        हेलेक
        सीता, साबितिरि दुरपदि कर।

कतेक सहला माञ
कतेक अपमान,
पुरुसेक दसे अहइला
हेलि पासान।
        झर-झर आंइखेक लर
        बहाए।
        करल रहिस बाप घार ले
        बिदाइ।

कहल रहिस माँ
साइस, ससुर, कुटुम बाटुम संग बेस के रहबे,
निजेक बेबहारे पुरुसेक घार आलाअ करबे।
पुरुस निसठुर मात्र, सास-ससुर लभि
बाछि मराथिन मां गाइ ना हेइत के गाभि।
धरि-बॉधि देला,
मात्र-गअ, फांसे झुलाए
बांचेक आस सिरालि,
चलि गेलँ सरगे निदाए।
किना पाउलँ किना देखलँ माँ
इ संसारे
भर खर जउबने गेलँ माँ
जमेक दुआइरे।
एखन लर बहाले माँ देखतउ
कने तके घारे,
नारिक अपमानेइ त कलिजुग
आउलेइग माँ इ संसारे।
कतना आइन माँ
कतना निअम बनालाक सरकारे
दस करा बाहिरे बाहिरे
नि दसि जेहेल भितअरे।

पसु लेकेअ खाराब जाइत माँ पुरुस,
बालिग-नाबालिग कनअ नि करत हुस।
कहल रहिस माँ बास करबे सरअगे
धरि-बाँधि ठेलि देला माँ आइगेक नरअके।
मात्र गअ! धन्य हेकत कलि जुगेक नारि
पढ़ि लिखि सहत पुरुसेक अतयाचारि।।



डॉ. परमेसअरि परसाद माहातअ

कुड़मालि भाखा साहित आर चारिले जड़ाइल डा. परमेसउअरि माहातअ अना गअ साहितकार, परफेसर, सामाज सुधारक आर हड़ालि बुध्किर धनि हेकत। एखराके हालुक कुड़मालि कबिक पांतिंइ राखल गेल आहेइक।

डॉ. परमेसअरि परसादेक जनम रांचि जिलाक सिलिलि थानाक आड़ाल नाउआडिह गांउए 1960 साल माहान हेलाहेइक। एखराक बाप राम माहातअ आर माइ सजनि देबि हेकेइक। एखरा चाइर भाइ माहान सउब ले बड़अ हेकत। बाप छुटु - मुटु चासा रहत आर चाइरटा बेटाके पहुनाले सिआन करेक बुता रहलउ भारु आंटेक काम रहलेइक। सेइ तेंहे एखराक पढ़ा-लिखा बेजांइ अभाबे हेलेइक। निजउ खेते - गठे काम करि, छउआके टिउसन पाति पढ़ाइ निजउ पढ़ा - लिखा करला।

एखराक पढ़ा - लिखा मिडिल कलास तड़िक निजेक गांउएक इसकुले आर 1976 बछर माहान आदरसअ हाइ इसकुल पतराहातुले मेटरिक पास करला। 1980 बछर माहान गसनर कालेज, रांचिले बि0 काम0 पास करला आर जनजातिअ आर छेतरिअ भासा बिभाग, रांचि बिसबिदालइ कर पेहिला बेच माहान कुड़मालि ले एम. ए. पास करला। 19 अगसतअ 1985 माहान रांचि कालेजे कुड़मालि कर बेइखता रुपे चाइर सअ टाका ले चाकरि करे उचराउला। 1991 माहान यू. जि. सि. नेट पास करला आर 1992 माहान कुड़मालिले पि-एच. डि. हेलेइन।

निम-जुआन बेरा लिहिं एखराक सामाजिक आर चारिक सउबे काम - काजे आगुआइके काम करत। पढ़ा - लिखा लेइ करि काम - पाइट, रिझ - रंग, गित - बाजना, नाच - गान माहान गांउएक लकके संग देए लाइ

ललकाउथिन। कुड़मालि भाखि आर चरिके असार - बिसार करिके झुके झाड़खंडले लेइ करि प. बंगाल आर उड़िसा कर गांउलि जुड़ुआहि माहान जग देथिक।

कुड़मालि पुरखालु गित आर साहित माहान एखराक खदि - नदि करेक बेजांइ बुता आहेइन। पुरखालु गित किमबा कबिता कर सटिक अरथअ भांजाने बेसि रुचि आहेइन।

कामेक आपा - धापिक खातिर एखर कनअ निजेक बड़अ रचना निखरल निहिं हेलाहेइन। कुड़मालि पढ़ा - लिखा पथि आर आन - आन पतरिका, इसमारिका माहान कबिता आर लेख निखरन हेलाहेइन। रांचि कर आकासबानि आर आर दुरदरसन माहान बेजांइ रकमेक परउगेराम देलाथिक। कएकटा कुड़मालि पढ़ा पथिक समिछा / आलउचना करअलाहात।

एखरा कुड़मालि कबिता, केहनि आर लेख लिखा - लिखि करत। एखराक रचना माहान आन - आन रकमेक संदेस पाउअल जाइक। बेसि करि एखरा चलति बेराक सामाजिक दुरदसा थानाइकुन बेजांइ गंभिर आहात। एखरा कबिता माहान सामाजेक आन - आन धंचरके उघराएक कसनि करअलाहात। सउभे मेसाइके कहा जाइ पारेइक, जे एखराक कबिता माहान - सामाजिक दुरदसा आर सामाजेक उंचअ निचु कर भेद भाउएक उपर सउसन आर भसटअचारेक बादिंइ एक सुरे हुंकाइर आहेइक। एकर कबिताले आपन सामाजेक चारि के सकताइके जतनाइ राखेक आरदास थानाउअल जाइ पारेइक।

साध

बने झाड़े डुंगरिंइ
पाहाड़ कर गेनाइ
टांइड़े टिकरे
गटा ससअगरांइ।

परास सिमेइर कर,
लाले लाल फुले
आर चांउअर रकम
आमेक मकुले।

बसअमता साजिके
बसल रहि
टाटका नाउआ
केनिआइ बनल रहि।

फुलेक रस खंसेइक
रसे रसे अहअरहअ
रसे भिंजि गात
हेइक सरअबरअ।

मधुमाछि घुरत
गटाइ गुनगुनाले
चुसत रस दमाट
उड़त आनसाले।

रहेइक कतेक
अभागा फुल,
रंगे रुपे रसें
बनअटांइ नि उन।

रसे रसे भरि
कतेक फुल मुरझाइक
पुछइआ नि केउ
बेरा पसतान जाइक।

भांउअर छाड़ि माछिअ
नि बइसला फुले
गिरेइक भुंइए
आनसाइ बेआकुले।

आउलेइक निहिं
सेटा कनअ कामे
मनेक साध फुलेक
रहलेइक मने।

पाछनान

बन झाड़ माझे
गाछेक गाजाड़
खाटअ ढांगा
दढ़अ बांकअ ठाड़।
बेजांइ गाछे लत
अझबझाल लेपटल
रहेइकला गाछेक
भरसेइ अटकल।
गाछेक भरसांइ लत
जिंअत हरिहर
ढापले जाइक नित
गाछेक चहुं कर।
बेजांइ दढ़अ पुरअ
असार बिसार लत
मेनतुक निजे नि
रहेइकला ठाड़।
धुंध बासात माहान
कखनअ गिरिजाइक
लते अझबझाल
गाछ आचाकाइ।
किना दासा हेतेइक?
सेइ लतेक तखन
फांड़ा सभेकाइ
रिचिक निखराइकुन।

दारम

पाठाउले तहिं हिंआ
बेस मनदअ बाछे
रगदा रेगदि माहान
बिछलं, जेटा पासे।

बझा बनाइ सकताइ
उभलं निजेइ तारनाइ
डहरअलं चिकन फांड़ि
कांटा पाखनाक जापांइ।

रेंगि रेंगि नाभलं
बेजांइ आबस हेइके
गाछेक पेंदांइ गाड़ि बझा
गबचअलं थेपड़अ हेइके।

छांहिरउ रउदेक आहला
नि पारेइक समढ़ाइ
भुखे पिआसे लरुआइ
आंइख कान टाटाइ।

सभे बाटे इंड़राइ
धुंकि गरम आबाइ
हुलके हेलं एसन
दारम आउता एधांउ।

फुहड़

गटाइ आहेइक
    घरना
बिछाल आहेइक
    जाल
दांप देउएक
    ठांउ
नेखेइक काहुं
एकअ तिल।
केउ लेउड़ि के
    फांड़त
केउ उड़ेक तेहें
डेना फरकात
कबउ समटि पांइख
रसे रसे इंड़रात
  हिंदे हुंदे।
सुगुम रहें
राउ ना काड़हें
निजेक टुमेइ
बाझे हेतअ
हुलकि घुराउलेइ
फेंसाइदे गिरबे
जिउ जातउ।
हड़बड़ाउले
बेसि अरबुझाइ
सकति घेंचा

छटपटाइ,
टें हेबे सुगुम
आंइख इंड़राइ।
    इ डहरे
नि पारबे डहरे
फेरिआइ नि पारबे
    इ डहर
हेलाइक एधांउ
बेजांइ फुहड़।
एहे फुहड़ ठांउ
नि मेटातेइक
नि ढांपातेइक
माटिंइ तपले
आइग लागाउले
एकरे उपर डहरे
सुसुआइ कुहुन।

धाधानि

निसटाइ आभट मानुसेक मरदानि
आरदा फुटानि, सेंखि आर धाधानि।

टम लाड़बांइए
चलअनेक साटअपे

मुखड़ाक आहलांइ
पिंधा - अढ़ाक गरबानि।
आरदा फुटानि, सेंखि आर धाधानि।।

उफड़ेहेइक हेंट उपर
इंड़केहेइक बाछुर रकम
झंपरेहेइक गटा गाते
आबगा, इलचि टेंगरानि।
आरदा फुटानि, सेंखि आर धाधानि।।

कतेक गाड़हा भाथाइगेलेइक
कतेक टिकरा समहेलेइक
गाजाड़ बन आजाड़ हेलेइक
एसने तअ मानुस जिनगानि।
आरदा फुटानि, सेंखि आर धाधानि।।

नि धाधाउआ आर बेसि
उमकिहा ना केउ सांगि
तारनालेइ हेइक बजड़

गुंड़ा हेइक सउब मुइसआनि
आरदा फुटानि, सेंखि आर धाधानि।।

दसर के बका लेका फांड़ि के
कुटिल मन राखि के संसरअ ले
बजड़ हेतेइक दुइअ मुड़े
तबेइ बुझातेइ किना फुटानि।
आरदा फुटानि, सेंखि आर धाधानि।।

इंचरा

इंचरा टमड़ा
सभेकाइ हिंआ हुंआ
गटाइ सभे ताहां।
केउ धुरांइ, बालिक गादांइ
डुबि डभांइ, रुगड़िक सातांइ
टुंगरिक गेनाइ, पाखनाक जापांइ
केउए माटि कादाक पेंदांइ।
सभे काइ हिंआ हुंआ।
केउ बनेक झुड़े झाड़े
गाछेक पात पालहांइ
पथिक पाते, साड़ाक सते
दमाट इंचरा, फांड़ा, दांजा।
सभेकाइ हिंआ हुंआ।
थिनाइ, थिरांइ, अनाइ के
बेस के थानाइ इंड़राइ के
थिंथाइ सआंग लागाइ के
सांगि जुलुम लागाउआ
सभेकाइ हिंआ हुंआ।
इंचरअले टमड़अले
निछड़अले पछड़अले
बाहरातेइक, खांटि जिनिस
गटाइ सभे ताहां।
सभेकाइ हिंआ हुंआ।

तिउर

आसे पासे, हेंठ उपर
आगु पेछु, हिंआ हुआं
इंड़राइ थानाइ हुलकले
गमिके फांड़ले दांजले।

आइज काइल आर परसु
गेलेइक बेरांइ आर एखन
सउब जिनिसें करले मिलान
तफात गमाइक कतेक रकम।

फाराक हेलेइक नातांइ बिसुम
गुसटि पाड़ांइ कुटुम बाटुमे
भाइ भाइए, देउरानि जेठानिइ
चाइल चलअने, नेग नेतिंइ।

दले बले, आउआ जाउआ
मेसा मेसि काम पाइट करा
दसर तेसर संगे चला भुला
सिराहेइक तरा निजेइ भाला।

सांगि केड़ाउएक झुंके सभे
घार गुसटि गटे जाहान
लागलाहात गटाइ निजे निजेइ
चाइल चलन चारि लेथिआइ।

निजेक ढड़हा भाथेक झुंके
केउ काकउ काहुं नि हुलके
आपन फिरकिटें लागलाहात
निजेक तिउरे भेदालाहात।

उकिल मुनिस देउआन पेसकार
लागलाहात आइन अरबुझाइ
लक काटाकउ देतेइक छड़ाइ
जदि देबसिक मटरि मुहाइ।

छटे बाबु, बड़े बाबु सभेकाइ
आर जे ताकर दुआइरे डांड़ाइ
संगि लट नि देले धराइ
केसे काहां जाबे पाराइ।

डहर बाटउ बेजांइ दादा
लुटा लुटि हेन तेन धांधा
ताकर फेंसाइदे गिरले बाछा
पिटि पाटि करबथु आधा।

राज पाइट चालाउअत जाखरा
निजेक तिउरे लागलाहात अखरा
भटेक बेरांइ घार कुलहि कादा
जितलेइ उसराउअत आपन धांधा

निजेक फिरकिटे आहात सउब रत
नि गमत केउ मिछा आर सत
हेलाहेइक एखन कलिजुग भरखर
नि चिनथिन केउ आपन आर पर।

चासाक रित

चासाक धन चास
चासेक काम किना उसास?

दबड़-तेबड़ जति-कड़ि
रउद बेइरसाञ आफड़ मारि।

ढेलका छेंछि गुंड़ा करि
आइड़ कदरा धाइर धरि,

जेनि-मरद मेलि-मेसि
खाटत दिन सगर डांड़ा कसि।

पुरखाञ चासा के कहि गेला
चास कबउ ना करिहा हेला,

खाटबे तबे चाटबे
नि त भुखे मरबे।

चुहिल मने करत चास
आधा छितिछान आधाइ आस,

सउब जिउ चासाक बुताञ जिंअत,
ढड़हा भाथि गिजड़त मलकत।

निजे नि खाइ दसर के आधा
ताउ नि छाड़त आपन धांधा,

हेलउ रिझे गाउअत गित
एहे त चासा कर रित।

चासाक कबउ नेखेइन पुछार
चासे हेकेइक देसेक आधार,

सरकारे चासा के करले हेला
बाढ़ि जातेइक चासाक जाला।



निताई चन्द्र महतो

कबि हालुक कुड़मालिक नउतन उगल कबि सह लेखक हेकत। एराक जनम 05.08.1978 साले गाँव-छाताकुलही, डाकघर-प्रधान खंता, जिला धनबाइदे हेल रहेइन। एराक बापेक नाम- श्री भूषण चन्द्र महतो आर माञेक नाम- श्रीमती कलावती देवी। एराक गुस्टि-काड़ुआर हेकेइन। एरा चारा भाइ आर चारा बेहिन आहात। कबि बापेक मेइझला बेटा हेकत। माञ-बापेक पढ़ाइएक अनइछा रहेइत कउ एराक पढ़ेक जिद रहेइन। 1984 साले प्रधान खंता मिडिल स्कूले पढ़ाइ सुरू करला। 1994 साले प्रधान खंता हाई स्कूल ले मेट्रिक पास करला। आरथिक विपनाता खातिर कबि के किताब कलम लाए दतुन-पात बनेक काठि तक बेचे हेल रहेइक। 1997 साले बी.बी.एम. कॉलेज धनबाद बलियापुर ले आई.एस.सी. पास करला।

कबि कर मेडिकल पढ़ेक बेजाञ खांखुस रहेइन। आपन चेसटाञ टिउसन करि मेडिकलेक कचिंग पाटनाए करलाक मिन्तुक ढंगेक कलेजे भरती हे नि पारला। ताकर जालाएँ घारेक संग अन-बन हेइलागलेइक। कबिञ आघु बाटे पढ़ेक जालाएँ घार छाड़ि 'गउआलिएर' गेला, आर इसटिल फेकटरिंञ काम धरला आर अबसर जानि किताब पढ़ेक जारि राखला। एहे समइए बेजाञ कुड़मालि गित आर कबिता रचना करला। गउआलिएरेक गरम वाताबरने कबि टिके नि पारला, आपन देस घुरि आउला।

कबिञ पढ़ाइ जारि राखि 2005 साले सिंदरी कॉलेज सिंदरी (धनबाद) ले कुड़मालि माहान बी.ए. पास करला आर 2008 साले जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग (राँची विश्वविद्यालय) ले कुड़मालिञ एम. ए. पास करला। कबिञ आन भासा सिखेक लाघारे इ.आर.एल.सी. ले उड़िआ भासाक टेरेनिंग लेला।

कबिक इसकुल जिबन लेक कुड़मालि कबिता रचेक खांखुस रहेइक। 1991 साले धानबाद ले परकासित 'आउआज' पेपर कर 'किसउर कलब' खंडे पहिल कुड़मालि कबिता छापाल रहेइक। एसनें भाभे उतसाह पाए के कबिता आर लेख रचना जारि राखला। 2009 साले 'डहर' कबिता संग्रह आर 2011 साले 'कुड़मालि भाखा सिखन आर साहित' परकासित हेलेइन। 2012 साले 'हालुक कुड़मालि भांउअर आर रचना' कर संगे कुड़मालि उपनेआस "अंधरिआ राइत" परकासित करला। 2013 साले 'कुड़मालि कबि आर काइब' पुसतक परकासित हेलेइन। हालुक बेराज्ञ कवि 'आखाइन' पतरिकाक परकासक-समपादक हेकत। एराक लेखा- लेखि निझुम मने चले लागल आहेइन।

तहिं कहें

घार-आंगनाञ ठेस बजड़
कुलहिञ डाड़िञ ठेस-बजड़
कट-कचहरिञ हाका-बका
राइज भाखाञ धाका-मुका
तहिं कहें मञ -
जाम तअ कन डहरे?

बाहरिआञ करलाक, घाघर घेरा
बुइध रहअइते, देला आंखिञ धुरा
झपटि मारअल, हाथेक पिठा,
तहुँ जे हेकिस, माटिक पुत
तहिं कहें मञ -
जाम तअ कन डहरे?

इहाँ- उहाँ फेकि बुलअत
नुड़ल जुठा दतअइन पातआइर
जेञ- तेञ टानि बुलअहत

कहत तहरा, मर गठेक
तहिं कहें मञ -
जाम तअ कम डहरे -?

सुट बुटे मेसाइ गेला
घेंचाञ टाइ बांधि लेला
कुलाहिञ डाड़िञ सड़प बनाला
हेलेक गरू बाछुरेक जिबनजाला,
तहिं कहें मञ -
जाब तअ कन डहरे?

एक सिंथा सिंदुर

गटाजिनगि टानिके बांधअल
मुठाञ जाकर, भरअल
एक सिंथा सिंदुर -।
माञ बापकर आंइखले
निंद करल उजड़,
एक सिंथा सिंदुर -।
आम महुआञ करल
दुइअ जनके सांखि,
एक सिंथा सिंदुर -।
गड़े तड़ा, कपाले टिकलि
थुभड़ाञ आनअल चमक,
एक सिंथा सिंदुर -।
परेक हिआञ परदेस
बाप-घारले बेजाञ धुर,
एक सिंथा सिंदुर -।
संगि भुला -एक तेहे
करल हिंआ मजबुर
एक सिंथा सिंदुर -।
सउब सिंगार गिरलेइ
जखन सिंथाले हेल फाराक,
एक सिंथा सिंदुर -।
पालकिले सारा तक
दुनिआक एहे दसतुर,
एक सिंथा सिंदुर -।

बिर

हाथे तिरंगा कांधे बनदुक
हेकिस तहरा बिर भारतकर
आगुञ- आगुञ डहरा तहरा
ताकाइ पेछु देखिआ ना-।

मर भुञ-मर देस
चला तहरा छाति -पिटि
गाँइठे लेइ गुलि-पिठा
ताकाइ पेछु देखिआ ना-2

लअहा निआर गड़-धड़
बिज्ञान कर बुइध तर
दुसमनके दागा धाञ-धाञ
ताकाइ पेछु देखिआ ना-3

रने-रने बिजुबने खअजा अरूनबने
हेठ-उपर नेदि नाला पाहाड़
खअजा तरहा आतंकबादिक ठांइ
ताकाइ पेछु देखिआ ना-4

रउद बेइरसा आंधि- धुंध
रइहा तहरा ताकाइ- खुन
हेकिस तहरा बिर भारतकर
ताकाइ पेछु देखिआ ना-5

खेत आइड़ पाहाड़ कअचाञ
बुलिहा तहरा डहर -छाड़ि
हेकिस तहरा सिंग भारतकर
ताकाइ पेछु देखिआ ना -6

मेटाइ देहाक नाम आंतक कर
गाड़ि आउआ झानड़ा तिरंगा कर
संगे तहराक देस गटा
ताकाइ पेछु देखिआ नाा-7

घुरले नि घुरे

आंइख भरलउ लरे
जाइ गिरलउअ गड़े
हिआ जे टुगांलउ
जड़लउ नि जड़ाले

उड़ल पाखि आकासे
आइ घुरलउअ खंधाञ
डिम जे फड़कअलउे
घुरलउ नि घुराले

कांचा फर पाकलउ
पाकल फर पचलउ
रूपे बहालउ धअनि
घुरलउ नि घुराले

खेइले गेलउ छउआलि
निंदे गेलउ जउआनि,
बुढांति देखि कांदले
घुरलउ नाञ घुराले

जरलउ बाति रातिञ
दिने गेलउ निझाइ
पिआ छाड़ि आन संग फांसले
घुरले नि घुराले

हालुक कबिता

हालुक कबिता माने 'मॉडर्न पोएट्री'. मॉडर्न साड़ाक बेबहार बिबिध दृष्टिकोणे हेइ पारेइक - जेसन समइ हिंसाबे, विषय हिंसाबे, बिक हिंसाबे, पाठक बर्ग हिंसाबे, नाउवा रंग-छंद हिंसाबे, आरअ-आरअ. समइ कर संग कबिक संचअ बदलेइक. आधुनिकताक हाउआएँ बिसएक उपर मन डांड़ाइक आर भाखिञ नाउआ साड़ाक प्रवेश हेइक - इटा सामान्य नियम. पुरातन कलेबर आर रंग-ढंग के आँकड़ाए राखा कठिन. परिवर्तन धार अनुजात्र पाठक बर्गेक रुचि आर सउआद पालटाइन, एहे सउब देखि आधुनिकता के ग्रहण करा उचित. इ किताबे समइ कर 'डिमांड' के स्थान देउअल गेल आहेइक.

एक जुगेक कबि राए बा रामान्टिक कबि बृंद बा एक उमेरेइक बिक गठ इ किताब टॉए जहड़ल आहात एसनअ काथा ना लागेइक. रसिकताक आवेगे रमान्टिसिज्म जे कनअ अवस्थाएँ कबि रिदए ले हादहादाए फुटि बाहराए पारेइक सेइ कारअने उमेइर निरविशेषे कबिक गठ हेइ पारेइक. रमान्टिसिज्म कनअ भासाक बापउति ना लागेइक. प्रेमेक ज्वार किना कुड़मालि बा आन जनजातीय भाखिञ आसाड़ी नदिक ढेउ निआर छलके-मलके नि पारेइक? चिरंतन विषय कर कबिताञ गुढ़ता झलकेइक, सामाजिक उचित, अनुचित विषय कर कबिता नाउआ पीढ़ी के दिग्दर्शन करेइक, प्रकृति आर प्रदूषण विषय कर कबिता, सुघड़ रूपे बाँचेक संदेश देइक, देशभक्ति आर अन्याय-दमन बिरोधी विषयेक कबिता संघर्ष करेक आर आघु बाटे बाढ़ेक प्रेरणा देइक. नारि शिक्षा, नारि सम्मान विषय कर कबिता, सामाजिक संतुलन आर मर्यादा प्रतिष्ठाक प्रतीक. एहे लेखे रकअमारि कबिता रूपी फुलेक सुरभी इ किताब-कुमे जगाल गेल आहेइक.

PYARA FOUNDATION
प्यारा केरकेट्टा फाउण्डेशन
चेशायर होम रोड, बरियातु, राँची-834009 झारखण्ड

ISBN : 978-93-81056-26-4